हाइड्रोजन इकॉनमी

नई दिल्ली, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल में पेश बजट में हाइड्रोजन इकॉनमी पर खासा ध्यान दिया है। इस संबंध में उन्होंने न केवल ग्रीन हाइड्रोजन पर काम करने के लिए गठित नैशनल हाइड्रोजन एनर्जी मिशन का जिक्र किया, बल्कि इस मद में ढाई हजार करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया है। हाइड्रोजन इकॉनमी आने वाले दौर की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता के रूप में उभर रही है।

इसका मतलब ऐसी अर्थव्यवस्था से है जो पेट्रोल, डीजल और प्राकृतिक गैस जैसे प्रदूषणकारी ईंधनों के बजाय हाइड्रोजन जैसे जीरो पल्यूशन फ्यूल पर चलती हो। वैसे तो इस पर काम काफी पहले से चल रहा है, पर दो-तीन ऐसी दिक्कतें अभी कायम हैं जिनकी वजह से हाइड्रोजन को व्यावहारिक विकल्प के रूप में स्वीकार करना संभव नहीं हो पा रहा। पहली दिक्कत सुरक्षा की है। अत्यधिक ज्वलनशील होने की वजह से हाइड्रोजन

अपने साथ हमेशा 'अत्यधिक खतरनाक' का टैग लिए चलती है। इससे चलने वाले किसी भी वाहन को सुरक्षित नहीं माना जा सकता। ज्वलनशीलता और बहुत कम ताप पर रखे जाने की मजबूरी के चलते इसकी सेफ सप्लाई और भंडारण आज भी एक मुश्किल काम बना हुआ है। इसके अलावा उत्पादन लागत का सवाल भी है। पेट्रो पदार्थों की तुलना में हाइड्रोजन की प्रॉडक्शन कास्ट भी अभी काफी ज्यादा है। इन परेशानियों के बावजूद वैज्ञानिक लगातार लगे हुए हैं और नए-नए प्रयोग कर रहे हैं। ताजा मामला चीन और ऑस्ट्रेलिया की एक रिसर्च टीम का है जिसने एक नए कैटलिस्ट के जरिए सोलर एनर्जी का इस्तेमाल करके समुद्री जल से हाइड्रोजन बनाकर दिखाया है। खर्चे और हाइड्रोजन की क्वांटिटी, दोनों ही लिहाज से इसको अब तक का सबसे अच्छा तरीका माना जा रहा है। हालांकि समुद्री पानी से हाइड्रोजन बनाने का काम कोई पहली बार नहीं हुआ नहीं है। दो साल पहले की एक स्टडी में तब तक की खोजों के आधार पर अनुमान लगाया गया था कि दुनिया की तात्कालिक तेल जरूरतें पूरी करने भर की हाइड्रोजन पैदा करने के लिए सोलर फ्यूल रिग्स को 63,000 वर्ग मील (लगभग बिहार जितना) समुद्री क्षेत्र कवर करना होगा। बहरहाल, ग्रीन एनर्जी को लेकर ग्लोबल आग्रह कितना ज्यादा है, इसका अंदाजा आला अमेरिकी कार कंपनी जनरल मोटर्स की इस घोषणा से लगाया जा सकता है कि 2035 तक वह पेट्रो पदार्थों से चलने वाली गाड़ियों का उत्पादन पूरी तरह बंद कर देगी। जाहिर है, भारतीय वैज्ञानिकों के सामने कोई ऐसी राह निकालने की चुनौती है जिससे इस युगांतरकारी तकनीकी बदलाव में हम आत्मनिर्भर रह सकें। यह तभी होगा जब अपने प्रयासों का दायरा हम बजट में निर्धारित छोटी-सी राशि के आधार पर न तय करें, बल्कि अपने प्रयासों से यह सुनिश्चित करें कि बड़ी जरूरतों को देखते हुए उनके आधार पर बजट राशि आवंटित की जाने लगे।

लकड़ी नहीं हैं पेड़

किरीट ए. चावड़ा

सुप्रीम कोर्ट ने वृक्षों की सही कीमत आंकने के लिए जो विशेषज्ञ समिति गठित की थी, उसके द्वारा इसके तरीकों को लेकर की गई सिफारिशें देश को नई

दिशा देने वाली हैं। पश्चिम बंगाल की एक रेलवे ओवरब्रिज परियोजना से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल जनवरी में इस पांच सदस्यीय समिति का गठन किया था। पेड़ों से निकलने वाली लकड़ी की मात्रा के आधार पर उनका मूल्य तय करने की परिपाटी को गलत बताते हुए समिति ने कहा है कि पूरे परिवेश में उनके योगदान को ध्यान में रखते हुए ही उनकी कीमत तय की जा सकती है। इस समझ के आधार पर समिति का निष्कर्ष यह है कि एक पेड़ की कीमत साल भर में 74,500 रुपये बैठती है। जाहिर है, जो पेड़ जितना पुराना होगा, उसकी कीमत भी इस दृष्टि से उतनी ही ज्यादा होगी।

समिति के मुताबिक सौ साल का भरा-पूरा पेड़ एक करोड़ रुपये से भी ज्यादा कीमती हो सकता है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने अभी इस रिपोर्ट को स्वीकार नहीं किया है और इस पर केंद्र सरकार समेत तमाम पक्षों से राय मांगी गई है। यह डर स्वाभाविक है कि अगर इन सिफारिशों को ज्यों का त्यों लागू कर दिया गया तो हर परियोजना की लागत इतनी बढ़ जाएगी कि न सिर्फ उन्हें बना रही कंपनियों बल्कि सरकारों के भी दिवालिया होने का खतरा पैदा हो जाएगा।

फिर भी हमें इतना तो स्वीकार करना ही पड़ेगा कि पेड़ महज लकड़ी नहीं हैं। वे न केवल खुद में एक जिंदा चीज हैं बल्कि असंख्य जीवों के आश्रय के रूप में एक पूरी दुनिया की भूमिका निभाते हैं। समिति ने ठीक ही कहा है कि किसी भी परियोजना को अंतिम रूप देते समय यह देखा जाना चाहिए कि कितने पेड़ उसकी राह में आ रहे हैं। संभव हो तो परियोजना के स्थान और स्वरूप में बदलाव करके पेड़ों को बचा लेना चाहिए। और ऐसा न हो सके तो पहली कोशिश पेड़ों की जगह बदलने की होनी चाहिए। अंतिम विकल्प के रूप में पेड़ काटने ही पड़ें तो भी एक पेड़ के बदले पांच पौधे लगाने का चलन नाकाफी है।

समिति का कहना है कि छोटे आकार के पेड़ के लिए 10, मध्यम आकार के वृक्ष के लिए 25 और बड़े आकार के वृक्ष के लिए 50 पौधे रोपे जाने चाहिए। एक जरूरत यह भी है कि ऐसे हर पौधारोपण कार्यक्रम की पांच साल बाद ऑडिटिंग करना अनिवार्य बनाया जाए ताकि इसका पूरा ब्योरा उपलब्ध रहे कि जितने पौधे लगाए गए उनमें से कितने वृक्ष के रूप में विकसित हो पाए हैं। गौरतलब है कि समिति की यह सिफारिश ऐसे समय में आई है जब मंदी से उबरने के लिए सरकार का सारा जोर देश में ज्यादा से ज्यादा इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने पर है। ऐसे में यह सुनिश्चित करना जरूरी हो जाता है कि विकास के नाम पर कहीं हमारे परिवेश का ऐसा नुकसान न हो जाए, जिससे आगे चलकर उबरा ही न जा सके।

बजट की दुविधा में फंसा मिडिल क्लास

जिगर डी वाढेर

हाल के सालों में बजट से सबसे अधिक अपेक्षाएं रखने वाला कोई तबका उभरा है तो वह है मिडिल क्लास। हर बार बजट के बाद यह बहस शुरू होती है कि इस तबके को क्या मिला, कितना मिला और क्या यह अपेक्षा के अनुरूप था। इस बार भी जब सोमवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मोदी सरकार के दूसरे टर्म का दूसरा बजट पेश किया, तो उसके बाद से ही यह बहस जारी है कि बजट में मिडिल क्लास को क्या मिला। तात्कालिक लाभ न मिलने पर मिडिल क्लास ने सोशल मीडिया पर नाराजगी जताई। हाल के सालों में मिडिल क्लास ने राजनीति में अपना दखल बढ़ाया है। खासकर नैरेटिव बनाने में इस तबके की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाने लगी है। ऐसे में इसकी उपेक्षा करने के पीछे मोदी सरकार का क्या सियासी दांव है? जानकारों का मानना है कि एक बार में सभी तबकों को बजट जैसे अवसर पर संतुष्ट नहीं किया जा सकता है और मोदी सरकार को पता है कि किसे कब क्या देना है। लेकिन विपक्ष को इसमें संभावना दिख रही है और वह बीजेपी के कोर वोट में सेंध लगाने के लिए उनके पक्ष में उतरने लगा है।

कितना काम आएंगे रिफॉर्म

कोविड महामारी के संकट के तुरंत बाद पेश हुए बजट में सरकार के सामने यह मजबूरी थी कि वह तत्काल लाभ, मसलन इनकम टैक्स जैसी कोई राहत दे। ऐसे में सरकार ने मिडिल क्लास के लिए बेहतर कल के सपने दिखाने वाला बजट पेश किया। बजट में कहा गया कि ग्लोबल सुस्ती, उत्पादन की धीमी पड़ती स्पीड और घटती मांगों के बीच रोजगार के मोर्चे पर बड़े कदम उठाने होंगे। मिडिल क्लास को संदेश देने की कोशिश की गई कि अभी आर्थिक हालात ऐसे हैं, जहां सरकार ने तुरंत बड़े रिफॉर्म नहीं किए तो हालात और भी खराब हो सकते हैं। हालांकि पिछले सात सालों से मोदी सरकार बजट में पारंपरिक रास्ता ही अपनाती रही है। न बहुत बड़ा प्रयोग करने की मंशा दिखाई गई, न ही मौजूदा व्यवस्था को बदलने की कोशिश हुई। जिन योजनाओं को गरीबों ने हाथों-हाथ लिया था, उन्हीं पर अधिक फोकस किया गया। इस बार आपदा में अवसर को देखते हुए मोदी सरकार ने आर्थिक रिफॉर्म के रास्ते मिडिल क्लास को रिझाने की कोशिश की। सरकार ने मिडिल क्लास को संदेश देने की कोशिश की कि रिफॉर्म का सबसे बड़ा लाभ उसे ही होगा।

सरकार का यह भी गणित है कि इस बार जो कदम उठाए गए, उसका असर अगले दो सालों में दिखने लग सकता है, और तब 2024 का आम चुनाव करीब आ जाएगा। लेकिन जिस तरह आर्थिक अनुमान व्यक्त किया गया, उस हिसाब से अगले कुछ सालों तक हालात बेहतर होने की संभावना नहीं दिख रही है। वहीं धीरे-धीरे ही सही रोजगार का मसला भी राजनीति के केंद्र में आने लगा है, और मिडिल क्लास बेरोजगारी से भी सबसे अधिक प्रभावित है। अगर बजट के सियासी असर की बात करें, तो मोदी सरकार की दुविधा में विपक्ष को संभावना दिख रही है। हाल के दिनों में आए तमाम राजनीतिक परिणामों में यह बात समान रूप से दिखी कि गांव-गरीब और किसान ही राजनीतिक दिशा को तय करने में बड़ी भूमिका निभाते रहे हैं। मोदी सरकार की लोकप्रियता इस तबके के बीच बढ़ी है। यही कारण है कि किसान आंदोलन के बीच बीजेपी इस कोर वोट पर किसी तरह का बोझ नहीं देना चाहती थी। ऐसे में सरकार इस सोच के साथ आगे बढ़ी कि वह मिडिल क्लास और शहरी आबादी को कुछ देर के लिए नाराज करने का राजनीतिक जोखिम ले सकती है। शहरी क्षेत्रों में अभी भी विकल्पहीनता की बदौलत बीजेपी अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति में ही दिख रही है।

विपक्ष ने पकड़ी नस

दूसरी ओर शहरी आबादी और मिडिल क्लास को नाराज करने के भी अपने जोखिम हैं। इसका खामियाजा 2004 में एनडीए सरकार झेल चुकी है। तब अप्रत्यशित तरीके से एनडीए को शहरी सीटों पर हार झेलनी पड़ी थी। इतना ही नहीं, 2010 में जब कांग्रेस की अगुआई में यूपीए लगातार मजबूत हो रही थी, तब अन्ना आंदोलन ने ही सबसे पहले सरकार की जड़ें हिलाईं। इस आंदोलन की कमान मिडिल क्लास के हाथ में ही थी। ऐसे में अगर मोदी सरकार ने सोच-समझ कर जोखिम लिया है तो भी उसके अपने खतरे तो हैं ही। अब तक जो तबका सबसे मजबूती से मोदी सरकार के साथ खड़ा रहा है, इस बजट के बाद पीएम मोदी किस तरह उसे लुभाते हैं, यह देखना दिलचस्प होगा। सरकार को पता है कि आगे कोर्स करेक्शन के कई मौके मिलेंगे। मोदी ने 2019 में भी आम चुनाव से ठीक पहले अंतिम बजट में इनकम टैक्स की सीमा पांच लाख रुपए करके इस तबके का बड़ा समर्थन हासिल किया था। वैसे भी मौका आने पर वे चौंकाने वाले फैसले करने में माहिर हैं।

पीएम मोदी को भी मिडिल क्लास की बेचैनी का अंदाजा होगा ही। यह भी सही है कि अभी भी इस आबादी का पीएम मोदी पर व्यक्तिगत भरोसा बहुत मजबूत है। ऐसे में आने वाले समय में इस आबादी के लिए कुछ भरोसा दिलाने के अभी कई और मौके आ सकते हैं। लेकिन इनके बीच कांग्रेस को उस तबके के बीच सेंध लगाने का रास्ता दिखा, जो कुछ सालों में उससे पूरी तरह से दूर जा चुका था। वैसे भी हाल के समय में विपक्ष आर्थिक अजेंडे पर ही सरकार और बीजेपी को घेरने की रणनीति बना रहा है। बिहार विधानसभा चुनाव में यह प्रयोग कुछ हद तक काम भी आया। 2019 आम चुनाव में करारी हार के बाद विपक्ष अब समझ चुका है कि मोदी-शाह से मुकाबले के लिए आर्थिक पिच ही एकमात्र विकल्प है। हिंदुत्व या राष्ट्रवाद जैसे मुद्दे पर लगातार बैकफुट पर धकेले जाने वाले विपक्ष ने अब अपना पूरा फोकस इकॉनमी पर कर दिया है। इकनॉमिक अजेंडे को आगे बढ़ाने में मिडिल क्लास तबका सबसे पहले आगे आता है। अब देखना है कि मिडिल क्लास को अपने पक्ष में करने की यह लड़ाई किस दिशा में बढ़ती है।

जानलेवा साबित हो रहा है प्राइवेट फाइनेंस

भूपेन्द्र पटेल

बैंक कर्ज या साहूकारों से मिलने वाले ऋण के सिलसिले में आमतौर पर किसानों और मजदूरों की बदहाली पर चर्चा होती है। इन बहसों के शोर में प्राइवेट बैंक कर्ज के चलते उत्पीड़न झेल रहे मध्यम वर्ग की पुकारें कहीं दबती हुई दिख रही हैं। बैंकों के इस उत्पीड़न की गंभीरता का पता इसी से लगाया जा सकता है कि दहशत में आकर लोग आत्महत्या तक करने लगे हैं।

ताजा मामला बिहार के भागलपुर के एक शिक्षक का है जिन्होंने बैंक अधिकारियों द्वारा परेशान करने के चलते आत्महत्या कर ली। शिक्षक चंद्रभूषण लॉकडाउन में कोचिंग बंद होने की वजह से कर्ज की किस्त भरने में असमर्थ थे। ऐसे में बैंक अधिकारी उन्हें सरेआम बेइज्जत करते थे। शिक्षक बैंक अधिकारियों की इस हरकत से परेशान हो गए। लिहाजा, मौत को गले लगाना उन्हें ज्यादा सहज लगा। कहने की जरूरत नहीं कि कोरोना काल में सरकार ने शिक्षण संस्थानों को बंद रखने का ऐलान किया था। अब जनवरी में अलग-अलग राज्यों में इन संस्थानों को खोलने की अनुमति दी गई है। लेकिन, शिक्षक की वाजिब परेशानी को बैंक अधिकारियों ने नजरअंदाज कर दिया।

खुदकुशी की एक और घटना मध्य प्रदेश के इंदौर निवासी बजे सिंह की है। आर्थिक स्थिति खराब होने से वे 2018 से किस्त नहीं चुका पा रहे थे। बैंक मैनेजर पिछले एक साल से कर्ज चुकाने के लिए दबाव बना रहा था। कर्ज न चुकाने पर वह गांव में जुलूस निकालने की भी धमकी दे रहा था। लिहाजा, परेशान होकर बजे सिंह ने जहर खा लिया। ऐसे ही केरल के तिरुवंतपुरम में एक 44 वर्षीय लेखा नामक महिला ने खुदकुशी कर ली। 5 लाख हाउसिंग लोन लेने वाली लेखा पर बैंक अधिकारी लगातार दबाव बना रहे थे। लोन चुकाने के लिए लेखा ने अपनी एक प्रॉपर्टी बेचने की तैयारी कर ली थी। लेकिन,

इसको लेकर परिवार में ही विवाद पैदा हो गया। लिहाजा, लेखा ने अपनी एक बेटी के साथ खुदकुशी कर ली। ये कुछ घटनाएं तो उदाहरण भर हैं। पिछले दो सालों में कर्ज से परेशान मध्यम वर्ग के लोगों में खुदकुशी की घटनाओं में तेजी से वृद्धि हुई है।

खुदकुशी के ऐसे मामलों में उन साहूकारों की भी भूमिका पाई जा रही है जो मोबाइल ऐप के जरिए लोन बांटते हैं। इन ऐप्स के मकड़जाल में फंसकर हैदराबाद, बेंगलुरु और इसके आसपास के इलाकों में कई लोग आत्महत्या कर चुके हैं। पिछले दिनों हैदराबाद पुलिस ने ऐसे ही एक गैंग का खुलासा किया, जो ऐप्स के माध्यम से पैसे उधार देता था और वसूली के लिए लोन लेने वाले की प्राइवेट चीजें सोशल मीडिया में डालने की धमकी देता था। पता चला कि जिन लोगों ने इनके चक्कर में फंसकर आत्महत्याएं कीं, वसूली करने वालों ने उनकी प्राइवेट जानकारी सोशल मीडिया पर डाल दी थी।

दरअसल, लोन देने वाली कंपनियों ने इन दिनों एक नया तरीका अपनाया है। वे लोन लेने वाले के मोबाइल में कॉन्टैक्ट से लेकर फोटो गैलरी तक की ऐक्सेस पहले ले लेती हैं, फिर उनमें घुसकर ग्राहकों को ब्लैकमेल करती हैं।

कर्जदारों के प्रति फाइनेंस कंपनियों का रवैया किस कदर आपत्तिजनक है, इसकी एक बानगी आरबीआई की एक हालिया कार्रवाई में देखी जा सकती है। जनवरी में ही भारतीय रिजर्व बैंक ने एक बड़ी प्राइवेट फाइनेंस कंपनी पर ढाई करोड़ रुपए का जुर्माना इसलिए लगाया, क्योंकि उसके वसूली एजेंट्स ग्राहकों को डरा रहे थे। आरबीआई को उस कंपनी के बारे में लोगों ने खूब शिकायतें की थीं, तब जाकर उसने संज्ञान लिया।

लोन रिकवरी को लेकर सरकार ने नियम बना रखे हैं। एनबीएफसी और फेयर प्रैक्टिस कोड द्वारा वित्तीय सेवाओं की आउटसोर्सिंग में आचार संहिता पर आरबीआई के स्पष्ट दिशा-निर्देश हैं। लेकिन, बड़ी दिक्कत यह है कि लोन लेने वाले नहीं जानते इनकी शिकायत कहां करें। ऐसे लोगों के लिए यह जानकारी उपयोगी है कि वसूली एजेंट के बदतमीजी करने पर तत्काल संबंधित कंपनी, पुलिस और रिजर्व बैंक को एक शिकायती पत्र रजिस्ट्री की जा सकती है, बल्कि की जानी चाहिए। वसूली एजेंट के पक्ष में सबसे बड़ी बात यही है कि उनके फुटप्रिंट्स बहुत कम मिलते हैं। ये शिकायती पत्र ही इनके फुटप्रिंट्स हैं। आत्महत्या करने से कहीं आसान है, इनकी शिकायत करना।

ठाणे मनपा: 2021-22 के लिए 2755 करोड़ 32 लाख रुपये का बजट पेश

ठाणे, ठाणे मनपा का वर्ष 2021-22 के लिए आयुक्त डॉक्टर विपिन शर्मा ने 2755 करोड़ 32 लाख रुपये का बजट पेश किया। 2020- 21 की तुलना में 2021 - 22 का बजट 1300 करोड़ कम है। बजट पेश होने के समय कांग्रेस, बीजेपी और एनसीपी के सदस्यों ने जोरदार हंगामा किया और बजट को नकारते हुए बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार होने का आरोप लगाया।

माहौल यह था कि एक तरफ सदस्य जोरदार घोषणाबाजी कर रहे थे और दूसरी तरफ बजट पेश हो रहा था। कोरोना के चलते किसी भी प्रकार के नए कर और दर वृद्धि नहीं की गई है। डॉ. विपिन शर्मा का बतौर मनपा आयुक्त यह पहला बजट है। मनपा पर कुल 164 करोड़ रुपये का कर्ज है। स्टैम्प ड्यूटी की एवज में सरकार से मनपा को 250 करोड़ रुपये मिलने हैं, जो कि अगस्त 2019 से बकाया हैं।

कोरोना के कारण चिकित्सा सेवा और सुविधाओं पर मनपा को बड़े पैमाने पर खर्च करना पड़ा। 2020-21 का मूल बजट 4 हजार 86 का था, जो कि कोरोना संक्रमण के चलते 2807.3 करोड़ का संशोधित बजट हो गया। आयुक्त ने बताया कि कोरोना संक्रमण के चलते आय और खर्च में समन्वय बनाते हुए 6 माह के बाद बजट का एक बार फिर रिव्यू किया जाएगा और उसके बाद आय और खर्च में परिवर्तन हो सकता है। मनपा के इतिहास में पहली बार 6 माह के बाद बजट का रिव्यू होना है।

बता दें कि आयुक्त ने मनपा बजट को यथास्थिति बजट बताया है। उन्होंने बजट में शहर के लोगों को कोई सपने नहीं दिखाए हैं। हालात के अनुकूल बजट में आयुक्त ने आय और व्यय के तालमेल को बैठाने की कोशिश की है।

इन कामों पर खर्च करेगी मनपा

आयुक्त ने किसी परियोजना को शुरू न कर पुरानी अधूरी परियोजना को पूरा करने पर जोर दिया है। वर्ष 2022 मनपा का चुनावी साल रहेगा। उसको देखते हुए पूरी होने वाली परियोजनाओं के लोकार्पण का अवसर होगा। 2021-22 के आर्थिक वर्ष में निवेश के लिए 935 करोड़ 37 लाख का प्रावधान किया गया। जलापूर्ति विभाग में 114 करोड़ 29 लाख, मलनि:सारण विभाग में 72 करोड़ 50 लाख, भूमिगत गटर योजना व अमृत योजना के लिए 50 करोड़ 69 लाख का प्रावधान है।

शहर में निर्माणाधीन विभिन्न पुलों पर 48 करोड़ 17 लाख और रास्तों पर 240 करोड़ 25 लाख तथा स्ट्रीट लाइट पर 36 करोड़ 33 लाख, कलवा के शिवाजी अस्पताल और अन्य अस्पतालों व स्वास्थ्य केंद्रों में उपकरण व अन्य कामों पर 27 करोड़ 10 लाख, घनकचरा व्यवस्थापन के लिए 29 करोड़ 20 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

मनपा की आय का जरिया

2021-22 में संपत्ति कर से मनपा को 693 करोड़ 24 लाख, विकास शुल्क से 342 करोड़, स्थानिक संस्था कर से 1152 करोड़ 70 लाख रुपये मिलने का अनुमान है। पानी बिल से 200 करोड़, अग्निशमन विभाग से 98 करोड़ 26 लाख की आय अपेक्षित है।

मुंबई के मानखुर्द में कबाड़ गोदाम में भीषण आग, दमकलकर्मियों ने घंटों की मशक्कत

मुंबई, मुंबई के उपनगरीय मानखुर्द में स्थित एक कबाड़ गोदाम में शुक्रवार को भीषण आग लग गई। आग पर काबू पाने के अभियान में शामिल 40 वर्षीय दमकलकर्मी ममूली रूप से जख्मी हो गए। अधिकारियों ने बताया कि घटना शाम करीब पौने तीन बजे मांडला इलाके की है। घटनास्थल के नजदीक ही झुग्गु-झोपड़ी इलाका है।

दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया, "कबाड़ के एक गोदाम में आग लग गई जहां प्लास्टिक का सामान, टीन और लकड़ी का सामान रखा था। यह लेवल-3 (भीषण) आग है।" उन्होंने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए दमकल के छह इंजन और 11 पानी के टैंक लगाए गए हैं।

आग बुझाने का अभियान अब भी चल रहा है। अधिकारी ने बताया कि दमकल केंद्र (स्टेशन) अधिकारी हरिश नडकर आग पर काबू पाने के अभियान में मामूली रूप से जख्मी हो गए हैं और उन्हें गोवंडी के शताब्दी अस्पताल ले जाया गया है। उनकी स्थिति स्थिर है। मांडला इलाके में कई और कबाड़ के गोदाम हैं जो कूड़ा डालने के मैदान के पास स्थित हैं। मुंबई की महापौर किशोरी पेडनेकर ने आग पर काबू पाने के अभियान का जायजा लेने के लिए घटनास्थल का दौरा किया है। उन्होंने बताया कि कोशिश की जा रही है कि आग आसपास की झुग्गियों तक ना फैले। उन्होंने बताया कि जहां आग लगी है वह स्थान मुंबई उपनगर जिला कलेक्टर की भूमि है।

मां ने बच्ची के लिए मांगे थे पांच रुपये, नाराज पिता ने कर दी बेटी की हत्या

गोंदिया, गोंदिया में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां पर एक पिता ने महज 5 के लिए अपनी 20 महीने की बेटी की दीवार पर पटक कर हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार बच्ची की मां ने 5 रुपए अपने पति से मांगे थे ताकि वह बच्ची के लिए कुछ खाने का सामान खरीद सके। बस इसी बात से नाराज पति ने मासूम की हत्या कर दी।

गोंदिया में पिता बना हैवान

यह घटना गोंदिया जिले के तिरोडा तहसील के लोनारा गांव की है। 28 साल का विवेक नाम का युवक मंगलवार को ड्यूटी से घर लौट कर आया था। उस समय उसकी पौने दो साल की बेटी वैष्णवी रो रही थी।

मां ने बच्ची के लिए 5 रुपये मांगे

बच्ची को चुप कराने के लिए मां ने विवेक से पांच रुपये मांगे ताकि उसे कुछ खरीद कर दे सके। बस इसी बात से नाराज विवेक ने गुस्से में बच्ची उठाया और कमरे के बाहर लेकर जाकर सीधा दीवार पर पटक दिया।

पुलिस ने आरोपी पिता को किया गिरफ्तार

वैष्णवी के सिर में गंभीर चोट लगी थी आनन-फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया। लेकिन डॉक्टरों ने उस मासूम को मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद लड़की की मां ने पुलिस स्टेशन में विवेक के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। जिसके बाद पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

मुंबई में टनल से सुधरेगी वाटर सप्लाई, BMC कर रही है कई परियोजनाओं पर काम

मुंबई, महानगर में पानी आपूर्ति की व्यवस्था करना बीएमसी के लिए हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। कुछ इलाकों में लो फोर्स में पानी आता है, तो कहीं पाइपलाइन पुरानी होने के कारण लोगों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पाता है। इस समस्या से निपटने के लिए बीएमसी ने बजट में कई इलाकों में चल रहे वॉटर-वे टनल का काम जल्द पूरा करने एवं नए टनल बनाने की घोषणा की है। यह काम अगले कुछ वर्षों में पूरा हो जाएगा। मुंबई में वॉटर टनल प्रॉजेक्ट के लिए बीएमसी ने 319 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। मुंबई में सबसे बड़ी वॉटर टनल योजना चेंबूर से वडाला और परेल के बीच बन रही है। इसके 2026 तक बन जाने की बात बीएमसी ने कही है।

अंग्रेजों के जमाने की है पाइपलाइन

चेंबूर से वडाला और परेल के बीच अंग्रेजों के जमाने में डाली गई पाइपलाइन है, जो अब खराब हो चुकी है। उसे हटाकर टनल के माध्यम से इन इलाकों में पानी आपूर्ति की जाएगी। दूसरी वॉटर टनल अमर महल (चेंबूर) से ट्रॉम्बे के बीच बन रही है। इस प्रॉजेक्ट को बीएमसी 2024 तक पूरा करना चाहती है। बता दें कि इन इलाकों में पानी ऊपर की ओर चढ़ाना होता है। इसके कारण लोगों को स्लो फोर्स में पानी मिल पाता है। इसके लिए स्थानीय प्रतिनिधि लंबे समय से मांग कर रहे थे। इसी तरह बालकुम से मुलुंड के बीच भी बीएमसी वॉटर टनल बनाएगी। इसके लिए बीएमसी ने कंसल्टेंट नियुक्त किया है। कंसल्टेंट की रिपोर्ट मिलने के बाद ठेकेदार की नियुक्ति के लिए टेंडर मंगाया जाएगा।

चल रहे प्रॉजेक्ट

- चिंचवाली से येवई और बालकुम से सैंडल टनल के बीच 3000 मिमी व्यास की मुख्य पाइपलाइन डालने का काम चालू
- सितंबर 2021 तक होगा पूरा काम
- भांडुप एंकर ब्लॉक से मरोशी गेट तक 2400 मिमी व्यास की पाइपलाइन डाली जा रही है
- जून 2022 तक होने की उम्मीद है
- भांडुप कॉम्प्लेक्स स्थित वॉटर टनल से 4000 मिमी व्यास की पाइपलाइन जोड़ी जा रही है
- मरोशी से सहार गांव के बीच 2000 मिमी व्यास की पानी की पाइपलाइन डालने के लिए टेंडर मंगाया जाएगा

मुंबईकरों को जल्द ट्रैफिक जाम से मिलेगी निजात, पुल और सड़कों के निर्माण के लिए जारी हुआ बजट

मुंबई, ट्रैफिक समस्या से जूझ रहे मुंबईकरों को निजात दिलाने के लिए बीएमसी लंबे समय से प्रयास कर रही है लेकिन अब तक हल नहीं निकल पाया है। अब बीएमसी कमिश्नर आईएस चहल ने बजट में कोस्टल रोड के लिए 2.7 हजार करोड़ और गोरेगांव-मुलुंड लिंक रोड के लिए 1300 करोड़ रुपये व अन्य प्रॉजेक्ट के लिए सैकड़ों करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।

साथ ही मुंबई में 157 किमी लंबी सड़क को बेहतर बनाने के लिए योजना की घोषणा की गई है। आईएस चहल ने कहा कि मुंबई में ट्रैफिक सुविधा को बेहतर करने के लिए पुलों की मरम्मत और कई नए पुल बनाने की योजना है। बीएमसी का मानना है कि रोड और पुल बनने से जहां ट्रैफिक की समस्या से निजात मिलेगी, वहीं लोगों का समय व ईंधन भी बचेगा।

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और बीएमसी की यह महत्वाकांक्षी योजना है। बीएमसी के बजट में इस पर विशेष ध्यान दिया गया है। अक्टूबर 2018 में शुरू इस प्रॉजेक्ट को पूरा करने के लिए बीएमसी ने चार वर्ष की समय सीमा तय की है। पिछले महीने कोस्टल रोड के अंतर्गत प्रियदर्शनी पार्क से छोटी चौपाटी (मरीन लाइंस) तक टनल का काम शुरू हुआ है। जिसमें चौबीस घंटे 100 से अधिक लोग काम कर रहे हैं।

यहां दो टनल बनेंगी, जिसका काम अक्टूबर 2022 तक पूरा होने की उम्मीद है। इस प्रॉजेक्ट का अनुमानित खर्च 8429 करोड़ रुपये है। लेकिन कंसल्टेंसी फी व अन्य शुल्क मिलाकर परियोजना की कुल लागत 12950 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। अब तक कोस्टल रोड का 20 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो चुका है।

इस बार बजट में कोस्टल रोड के लिए 2000.07 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। चहल ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि

दक्षिण मुंबई को पश्चिम मुंबई से जोड़ने वाला यह प्रॉजेक्ट ट्रैफिक समस्या को काफी हद तक हल कर देगा। मुंबई में ट्रैफिक के मामले में यह गेम चेंजर साबित होगा। जीएमएलआर से कम होगी दूरी गोरेगांव- मुलुंड लिंक रोड मुंबई में पूर्वी उपनगर और पश्चिम उपनगर को जोड़ने वाला चौथा लिंक रोड होगा। इस लिंक रोड का काम चार फेज में होगा। पहला फेज वर्ष 2023 में पूरा होने की उम्मीद है। नाहुर रेलवे स्टेशन के रास्ते फ्लाईओवर तक पहुंचने वाले रास्ते का 35 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इसी तरह दूसरे चरण में गोरेगांव- मुलुंड रोड की चौड़ाई 30 मीटर से बढ़ाकर 45.70 तक की जाएगी, यह काम 2022 के मध्य तक पूरा होने की उम्मीद है।थर्ड फेज में जीजी सिंह रोड स्थित एलबीएस रोड जंक्शन स्थित फ्लाईओवर और गोरेगांव-मुलुंड लिंक रोड जंक्शन से फिल्म सिटी रोड व एके वैद्य रोड गोरेगांव स्थित फ्लाईओवर का काम पूरा किया जाएगा। संजय गांधी नेशनल पार्क के नीचे दो 4.7 किमी. लंबी समांतर टनल बनाई जाएगी। इसका काम इस साल के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है। बीएमसी ने इस लिंक रोड के लिए बजट में 1300 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।

बेहतर सड़कों का वादा

बीएमसी ने बजट में मुंबई की सड़कों की स्थिति बेहतर करने का वादा किया है। बीएमसी के अनुसार वर्ष 2021-22 में मुंबई की 157 किलोमीटर लंबी सड़क को बेहतर बनाया जाएगा। जिसमें 145 किमी लंबी सड़क को सीमेंटेड किया जाएगा, जबकि 12 किमी लंबी की सड़क को चौड़ा किया जाएगा। जिसमें सीपी टैंक रोड, कालबादेवी रोड, पश्चिम उपनगर में लिंक रोड, एसवी रोड और पूर्वी उपनगर में वीएल रोड, लेक रोड को सीमेंटेड बनाया जाएगा।

इसी तरह 21 पुलों को तोड़कर उनका पुनर्निर्माण किया जाएगा। 47 पुलों में बड़े पैमाने पर मरम्मत कर बदलाव किया जाएगा। 144 पुलों में मामूली मरम्मत की जरूरत है, जो काम शुरू है। इन पुलों का लगभग 60 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। मुंबई में 6 नए पुलों का भी निर्माण किया जाएगा। जिसमें मढ़-वर्सोवा खाडी पुल, पी नॉर्थ वॉर्ड के अंतर्गत मार्वे- मनोरी पुल, ओशिवारा नदी व मालाड खाड़ी पुल, पी नॉर्थ वॉर्ड के अंतर्गत एवरसाइन नगर से मार्वे रोड स्थित रामचंद्र नाला पुल, इनफिनिटी मॉल पुल एवं मार्वे रोड स्थित धारिवली गांव तक पुल शामिल है।

मुंबई पार्किंग प्राधिकरण

पार्किंग की समस्या के समाधान के लिए बीएमसी ने मुंबई पार्किंग प्राधिकरण के गठन का निर्णय लिया है। बीएमसी का कहना है कि जीआईएस मैपिंग टेक्निक का इस्तेमाल कर मुंबई में हर विभाग में पार्किंग की व्यवस्था के लिए नीति तैयार की जाएगी। इस पार्किंग फी से पार्किंग में सुविधा बढ़ाई जाएगी। इसके लिए बीएमसी ने 1600 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।

शॉर्ट फिल्मों के बहाने बनाते थे 'अश्लील फिल्में'.. पॉर्न साइट्स को बेचकर कमाते थे मोटी रकम, 5 गिरफ्तार

मुंबई, फिल्मों के अलावा ओटीटी प्लैटफॉर्म्स पर भी इन दिनों वेब सीरीज दिखाई जा रही हैं। इसके लिए यूजर्स को अलग-अलग ऐप्स को सब्सक्राइब करना पड़ता है और पेमेंट करना पड़ता है। कई ऐसे ऐप्स हैं, जहां शॉर्ट फिल्में भी दिखाई जाती हैं। इन्हीं शॉर्ट फिल्मों के बहाने कुछ लोग सेक्स रैकेट चला रहे थे। मुंबई क्राइम ब्रांच के प्रॉपर्टी सेल ने ऐसे ही गिरोह के पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें रोया खान उर्फ यास्मीन का नाम प्रमुख है। क्राइम ब्रांच के एक अधिकारी के अनुसार, यास्मीन खुद पहले फिल्मों और धारावाहिकों में छोटे-छोटे रोल कर चुकी है। इस बहाने उसके पास उन लड़कियों की लिस्ट है, जो बॉलिवुड की चमक-दमक के बीच काम के बहाने मुंबई आ जाती हैं। वह इन लड़कियों से संपर्क करती थी। कहती थी कि बड़े रोल पाने से

पहले आप लोगों को शॉर्ट फिल्मों में भी काम करना चाहिए। एक बार नाम हो जाएगा, तो वहां भी काम मिल जाएगा। वह 20 मिनट की ऐसी फिल्मों के लिए इन अभिनेत्रियों को जो स्क्रिप्ट सुनाती थी, उसमें न्यूड सीन जैसा कुछ भी जिक्र नहीं होता था।

2 मिनट की मूवी के लिए देते थे 30 हजार रुपये अधिकारी ने बताया कि यास्मीन लड़कियों से कहती थी कि 20 मिनट की फिल्म की शूटिंग चार से पांच घंटे में पूरी हो जाएगी, जिसके लिए उन्हें 30 हजार रुपये मिलेंगे। जाहिर है कि इतनी मोटी रकम के लिए लड़कियां फौरन 'हां' कर देती थीं। इसके बाद उनसे एक एग्रीमेंट करवाया जाता था, जिस पर ज्यादातर अभिनेत्रियां बिना पढ़े सिग्नेचर कर देती थीं। कुछ दिन बाद इन अभिनेत्रियों को मुंबई के मड आइलैंड और कुछ अन्य जगह बुलाया जाता था। वहां शूटिंग शुरू होती थी, जहां स्ट्रगल कर रहे कुछ अभिनेता भी बुलाए जाते थे। आधी शूटिंग के बाद न्यूड सीन को करते थे मजबूर

अधिकारी ने बताया कि तकरीबन आधी शूटिंग के बाद अभिनेत्रियों से न्यूड सीन करने को कहा जाता था। जब कोई लड़की ऐसा करने से मना करती थी, तो उसे लीगल नोटिस की धमकी दी जाती थी। लड़की डर की वजह से फिर वैसे सीन करने को तैयार हो जाती थी। इसके बाद आरोपी अलग-अलग ओटीटी प्लेटफॉर्म और पोर्न साइट से जुड़े लोगों से संपर्क करते थे। वहां से इन अश्लील शॉर्ट फिल्मों के लिए मोटी रकम लेते थे और इस तरह इनका यह रैकेट चल रहा था।

कुछ दिन पहले जब सीनियर इंस्पेक्टर केदारी पवार, धीरज कोली और लक्ष्मीकांत सालुंके की टीम को जब इस रैकेट के बारे में पता चला, तो ट्रैप लगाया गया और पांच आरोपी गिरफ्तार किए गए। इनमें दो ऐक्टर, एक कैमरामैन, एक कास्टिंग डायरेक्टर और एक प्रड्यूसर शामिल हैं। क्राइम ब्रांच ने आरोपियों के पास से करीब 36 लाख रुपये नकद और पांच लाख रुपये के शूटिंग से जुड़े सामान जब्त किए हैं।

अधर में लटका बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट

मुंबई, मोदी सरकार ने अपने सबसे महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को साल 2024 तक शुरू करने का लक्ष्य रखा है। हालांकि महाराष्ट्र में जमीन ना मिल पाने के चलते में इस प्रोजेक्ट पर ग्रहण लगता हुआ नजर आ रहा है। ऐसे में इसे दो चरणों में चलाया जायेगा। इसके तहत कुल 12 स्टेशन बनाए जाएंगे। इन स्टेशनों से गुजरने वाली बुलेट ट्रेन की रफ्तार तकरीबन 320 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। इस हिसाब से मुंबई से अहमदाबाद की दूरी महज 2 घंटे में पूरी की जा सकेगी। यह ट्रेन तेज रफ्तार की वजह से तय स्टेशनों पर ही रुकेगी। जबकि स्लो बुलेट ट्रेन सभी 12 स्टेशनों पर रुकेगी। यह ट्रेन मुंबई से अहमदाबाद की दूरी तकरीबन 3 घंटे में तय करेगी।

आपको बता दें कि मुंबई से लेकर अहमदाबाद हाई स्पीड कॉरिडोर (Mumbai-Ahmadabad

Highspeed Corridor) के बीच की दूरी तकरीबन 508 किलोमीटर है। जिसमें से 155 किलोमीटर का हिस्सा महाराष्ट्र (Maharashtra) में आता है, 4.3 किलोमीटर का हिस्सा यूनियन टेरिटरी दादरा नगर हवेली में और 348 किलोमीटर का हिस्सा गुजरात में आता है।

रोजगार का दावा बुलेट ट्रेन परियोजना (Bullet Train Project) से ना सिर्फ दो राज्यों के बीच की दूरी सिमटकर चंद घंटों में तब्दील हो जाएगी बल्कि इससे हजारों लोगों को रोजगार भी मिलेगा। हालांकि महाराष्ट्र सरकार के मंत्री एकनाथ शिंदे का कहना है कि बुलेट ट्रेन का कोई फायदा महाराष्ट्र को नहीं होने वाला है। यह ट्रेन आम जनता के लिए नहीं बल्कि अमीरों के लिए बनाई जा रही है। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को मोदी सरकार किसी भी कीमत पर नहीं चाहती है। इसकी बड़ी वजह यह भी है कि साल 2024 में लोकसभा के चुनाव होने हैं और बुलेट ट्रेन की डेडलाइन भी 2024 ही है। लिहाजा इसे चलाने के लिए केंद्र सरकार एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। इस प्रोजेक्ट में सबसे बड़ी दिक्कत महाराष्ट्र में भूमि अधिग्रहण को लेकर आ रही है। जिसके चलते अब यह प्रोजेक्ट मुंबई तक ना चलकर गुजरात में ही सीमित होने की बात कही जा रही है। यानी यह प्रोजेक्ट अब दो चरणों में शुरू किया जाएगा। साल 2024 में जब बुलेट ट्रेन शुरू होगी तब यह ट्रेन अहमदाबाद से लेकर गुजरात के बॉर्डर वापी तक चलाई जाएगी। यह दूरी तकरीबन 325 किलोमीटर के आसपास है। इस इलाके में जमीन अधिग्रहण का काम लगभग पूरा किया जा चुका है। बुलेट ट्रेन का काम पूरी रफ्तार से यहां पर शुरू है। इस प्रोजेक्ट में सबसे बड़ी दिक्कत महाराष्ट्र में आ रही है। यहां के किसान अपनी जमीन को बुलेट ट्रेन के लिए देने से इंकार कर चुके हैं। बुलेट ट्रेन के सर्वे के दौरान भी पालघर जिले में कई बार आंदोलन हुए हैं। खासतौर पर आदिवासी समाज को अपनी जमीन चले जाने का डर है, जो इस परियोजना के रूट पर आती है।

प्रेगनेंसी में इन 6 ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल न करें, बच्चे की सेहत पर पड़ता है असर

सोनल झालावाड़िया

एक महिला अपने गर्भ में एक नए जीवन को जन्म देती है। ऐसे में प्रेगनेंसी का समय बहुत महत्वपूर्ण होता है क्योंकि इसमें न सिर्फ बच्चे का शरीर विकसित होता बल्कि होने वाली मां के शरीर में

भी काफी बदलाव आता है। इस बदलाव का असर बच्चे पर पड़ता है, ऐसे में बहुत जरूरी है कि प्रेगनेंसी में हर चीज का इस्तेमाल सोच समझकर किया जाए। आज हम आपको ऐसे ब्यूटी प्रॉडक्ट के बारे में बता रहे हैं, जिनका इस्तेमाल प्रेगनेंसी के समय नहीं करना चाहिए-

दूर रहें एंटी एजिंग क्रीम से

चेहरे की सुंदरता को बढ़ाने का दावा करने वाले एंटी एजिंग और दाग-धब्बे हटाने वाली क्रीम का इस्तेमाल प्रेग्नेंसी के दौरान बिल्कुल भी ना करें। इस तरह की क्रीम में रेटिनोइड्स नामक सामग्री मिलायी जाती है, जिसे त्वचा में विटामिन ए की कमी को पूरा करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह भ्रूण के लिए हानिकारक हो सकता है।

एक्ने क्रीम के इस्तेमाल से करें परहेज

प्रेगनेंसी के दौरान आपके चेहरे पर पिंपल्स हो गए हैं, तो उन्हें हटाने के लिए एक्ने क्रीम का इस्तेमाल ना करें अन्यथा इसकी वजह से आपके अजन्मे बच्चे पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

तेज खुशबू के इस्तेमाल से बचें

प्रेगनेंसी के समय तेज खुशबू वाले डिओडोरेंट, परफ्यूम और बॉडी लोशन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इन्हें बनाने में कुछ ऐसे केमिकल्स का इस्तेमाल किया जाता है।

हेयर रिमूविंग क्रीम भी नहीं सुरक्षित

गर्भावस्था के दौरान हेयर रिमूविंग क्रीम का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, लेकिन इसे बनाने में कुछ मात्रा में थियोजिकॉलिक एसिड का इस्तेमाल किया जाता है, जो कि गर्भावस्था में हानिकारक साबित हो सकती है।

नेल केयर उत्पाद भी डालते हैं असर

प्रेगनेंसी के दौरान किसी भी तरह के नेल केयर प्रॉडक्ट का इस्तेमाल न करें। इसके अंदर मौजूद जहरीले पदार्थ भ्रूण को नुकसान पहुंचा सकते हैं। नेल पॉलिश को नाखून पर टिकाए रखने के लिए कुछ बेहद खुशबू वाले केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही नेल पॉलिश को हटाने वाले थिनर का भी इस्तेमाल न करें।

गोरा होने वाली क्रीम

चेहरे और त्वचा को गोरा बनाने वाली क्रीम में हाइड्रोक्यूनोन नामक केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है। यह शरीर के एंजाइम को नियंत्रित करके त्वचा को ब्लीच करती है। यह क्रीम 35 से 45 प्रतिशत तक शरीर के अंदर समा जाती है, जो कि बच्चे के पूर्ण विकास को बाधित करती है। गर्भावस्था के दौरान और बच्चे को दूध पिलाते समय इस क्रीम का इस्तेमाल करने से पूरी तरह से बचें।

बचपने में ही आंखों पर छाया धुंधलापन, इन 7 चीजों को खाकर आंखें करें तेज

संजय शर्मा

ज्यादा टीवी देखने, कंप्यूटर पर पढ़ाई करने और मोबाइल पर गेम खेलने के साथ टैबलेट पर रीडिंग करने की वजह से बच्चों की आंखें समय से पहले ही कमजोर होने लगी हैं।

गैजेट्स पर ज्यादा समय बिताना शरीर के लिए हानिकारक साबित

हो सकता है, खासतौर पर आंखों के लिए। छोटे बच्चों में आंखों से जुड़ी परेशानियों का खतरा ज्यादा रहता है। हालांकि, आप बच्चे के आहार में कुछ खाद्य पदार्थों को शामिल कर उसकी आंखों की रोशनी नैचुरली बढ़ा सकते हैं। तो चलिए जानते हैं आंखों की रोशनी तेज करने वाले फूड्स के बारे में।

हरी पत्तेदार सब्जियां

इनमें कैरोटीनोइड्स के एंटी-ऑक्सीडेटिव गुण होते हैं जो आंखों को फ्री रेडिकल्स से दूर रखते हैं। ये कैरोटीनोइड्स प्रचुर मात्रा में हरी पत्तेदार सब्जियों में पाए जाते हैं। इनमें विटामिन ए भी उच्च मात्रा में होता है। इसलिए आप अपने बच्चे को कम उम्र से ही ब्रोकली, केल और पालक जैसी हरी सब्जियां खाने की आदत डालें। इन्हें कच्चा खाना ज्यादा फायदेमंद होता है।

रंग-बिरंगी सब्जियां करती हैं मदद

टमाटर और मूली जैसी सब्जियां मैकुलर डिजेनरेशन और मोतियाबिंद को रोकती हैं। मैकुलर डिजेनरेशन आंखों को धुंधला करने का प्रमुख कारण है। गाजर और शकरकंद में बीटा-कैरोटीन होता है जो आंखों को सूरज की हानिकारक किरणों से बचाता है और रेटिना को स्वस्थ रखता है। शिमला मिर्च भी आंखों की रोशनी बढ़ाने का अच्छा स्रोत है। पिस्ता, काजू, अखरोट, बादाम और मूंगफली विटामिन ई से प्रचुर होता है और बच्चों में मायोपिया के खतरे को कम करते हैं। इनमें ओमेगा-3 फैटी एसिड्स भी होते हैं। विटामिन ई और ओमेगा-3 आंखों में सूखापन यानि ड्राई आईज से बचाते हैं। अलसी के बीज और चिया के बीज खाने से भी आंखों से जुड़ी परेशानियां कम होती हैं।

सौंफ

सौंफ, बादाम और काला नमक, एक समान मात्रा में इन चीजों को लें। इन तीनों को एकसाथ पीसकर पाउडर बना लें और उसे एयर टाइट कंटेनर में भर लें। एक कप गर्म दूध में दो चम्मच पाउडर मिलाकर रात को सोने से पहले या सुबह खाली पेट बच्चे को पिलाएं।

त्रिफला

आयुर्वेद में कई रोगों के इलाज के लिए त्रिफला का प्रयोग किया जाता है। आई ड्रॉप्स में त्रिफला के प्रयोग से आंखों में सूजन, लालिमा और दर्द को कम किया जा सकता है।

इसके अलावा त्रिफला विटामिन सी से युक्त होता है और एंटीऑक्सीडेंट की तरह काम करता है जिससे ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से संबंधित आंखों को नुकसान पहुंचने से सुरक्षा मिलती है।

आप अपने बच्चे को त्रिफला पाउडर का काढ़ा या चाय दे सकते हैं।

ये आदत जरूर डालें

बच्चों को नहीं पता कि उनके शरीर और आंखों के लिए क्या सही और क्या गलत है इसलिए पेरेंट्स को ही ये जिम्मेदारी लेनी होगी। कोई भी इलेक्ट्रोनिक गैजेट इस्तेमाल करते हुए बच्चे को बीच-बीच में पलके झपकाने की आदत डालें। इससे उसकी आंखों को आराम मिलेगा। इसके अलावा आंखों को एंटी-क्लॉक वाइज घुमाना भी आंखों के लिए अच्छा रहता है।

पथरी के मरीज हैं तो, क्या खाएं और किन चीजों से करें परहेज

किडनी में स्टोन होना एक कॉमन बीमारी है। किडनी शरीर का एक अहम अंग है। इसका काम ब्लड को फिल्टर करना होता है। किडनी द्वारा ब्लड फिल्टरेशन के दौरान सोडियम, कैल्शियम और अन्य दूसरे मिनरल्स बारीक कणों के रूप में यूरेटर के माध्यम से ब्लैडर तक पहुंचते हैं, जो पेशाब के जरिये शरीर से बाहर निकल जाते हैं।

जब ब्लड में इन तत्वों की मात्रा बढ़ जाती है तो ये किडनी में जमा होकर पत्थर के टुकड़ों जैसा आकार ले लेते हैं, जिसके कारण ब्लैडर तक यूरिन पहुंचने के रास्ते में रुकावट आती है और किडनी स्टोन यानी गुर्दे की पथरी की समस्या पैदा हो जाती है। इस समस्या में खाने-पीने में काफी एहतियात रखने की जरूरत होती है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि किडनी स्टोन के पेशेंट को क्या खाना चाहिए और क्या नहीं।

किडनी स्टोन के लक्षण

पेशाब करते समय हल्का दर्द

बार-बार टॉयलेट लगना

पेट में तेज दर्द, भूख नहीं लगना

जी मचलाना, बुखार आना

किडनी में स्टोन होने पर क्या न खाएं-

कोल्ड ड्रिंक और कैफीन का न करें सेवन

डिहाइड्रेशन की एक वजह कैफीन भी होती है, इसलिए किडनी में स्टोन होने पर बहुत ज्यादा चाय और कॉफी पीना बंद कर दें। कोल्ड ड्रिंक पीना भी अवॉइड करें। इसमें मौजूद फॉस्फोरिक एसिड से स्टोन होने का खतरा ज्यादा रहता है।

नॉनवेज से करें परहेज

नॉनवेज खाद्य पदार्थों में प्रोटीन की भरपूर मात्रा पाई जाती है। किडनी में स्टोन की समस्या होने पर अपने भोजन में प्रोटीन की मात्रा को कम कर दें। ज्यादा प्रोटीन से किडनी पर विपरीत असर पड़ता है। ज्यादा प्रोटीन के सेवन से यूरिन में सामान्य स्थिति से कहीं ज्यादा कैल्शियम बाहर निकल जाता है।

प्रोटीन युक्त भोजन में मौजूद प्यूरीन के कारण नॉनवेज के सेवन से पथरी के मरीज के शरीर में प्यूरीन की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे यूरिक एसिड का लेवल बढ़ जाता है, नतीजतन स्टोन का आकार बड़ा हो जाता है।

नमक का सेवन कम करें

किडनी में स्टोन की समस्या होने पर नमक कम खाएं। टमाटर का रस, डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ, चाइनीज और मैक्सिकन भोजन और रिफाइंड खाद्य पदार्थ में नमक बहुत उच्च मात्रा में होते हैं। कम नमक या अनसाल्टेड खाद्य पदार्थों को खाएं। पथरी की शिकायत होने पर ऐसी चीजों के सेवन से बचें, जिनमें ऑक्सलेट और विटामिन-सी पाए जाते हैं। ऑक्सलेट कैल्शियम को जमा कर लेता है और यूरीन में नहीं जाने देता है।

सेहत के लिए इतने कमाल करती है एक मुट्ठी किशमिश, जानें इसे खाने का सबसे हेल्दी तरीका

आपको अगर कोई स्नैक्स खाने का मन करता है, तो आप किशमिश खा सकते हैं। स्वाद के साथ सेहत के लिए भी किशमिश एक हेल्दी स्नैक्स माना जाता है।

किशमिश में फॉस्फोरस, कैल्शियम और पोटैशियम पाया जाता है जो बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में मदद करता है। बच्चों को किशमिश खिलाने से मस्तिष्क को पोषण मिलता है और यादाश्त मजबूत होती है। किशमिश में उच्च मात्रा में फाइबर होता है

कब्ज दूर करती है किशमिश

किशमिश खाने से कब्ज में बहुत फायदा मिलता है। इसे पानी में भिगाकर खाने से कब्ज दूर होती है। अगर आपको कब्ज, एसिडिटी और थकान की समस्या है, तो यह काफी फायदेमंद साबित हो सकती है। इसका नियमित रूप से सेवन करने से जल्द आपको फायदा नजर आएगा।

खून की कमी दूर करने के लिए

किशमिश में पर्याप्त मात्रा में विटामिन बी कॉम्प्लेक्स पाया जाता है जिससे खून की कमी नहीं होती। आप में अगर खून की कमी है तो आप 7-10 किशमिश का सेवन रोजाना कर सकते हैं।

ब्लड प्रेशर यदि आपके घर में किसी को उच्च रक्तचाप की समस्या है तो रात को आधे गिलास पानी में 8-10 किशमिश भिगो दें। सुबह उठकर बिना कुछ खाएं किशमिश के पानी को पी लें। आप चाहें तो भीगी हुई किशमिश को खा भी सकते हैं। इससे कुछ दिन में उच्च रक्तचाप की समस्या में आराम मिलेगा। लिवर को सेहतमंद रखता है

प्रतिदिन किशमिश के पानी का सेवन करना आपके लिवर को सेहतमंद बनाए रखने और उसे सुचारू रूप से कार्य करने के लिए प्रेरित करने का काम भी करता है। साथ ही आपके मेटाबॉलिज्म के स्तर को नियंत्रित करने में भी सहायक है। वजन बढ़ाने में मददगार अगर आप अंडरवेट हैं और अपने वजन को बढ़ाना चाहते हैं, तो किशमिश आपकी मदद कर सकती है। किशमिश फ्रुक्टोज से भरपूर होती है, जो शरीर का वजन बढ़ाने में मदद कर सकती है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : स्वराशि का मंगल आपके बल, पराक्रम और साहस में वृद्धि करेगा। इस सप्ताह किए गए प्रत्येक कार्य में जीत हासिल होगी। प्रॉपर्टी और निवेश संबंधी कार्यों में लाभ होगा। पारिवारिक जीवन में कोई अनपेक्षित घटना हो सकती है वह शुभ-अशुभ दोनों हो सकती है। आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी। स्वास्थ्य लाभ होने की ओर बढ़ रहे हैं।

वृषभ : राशि स्वामी की अनेक ग्रहों के साथ युति अनेक कार्य एक साथ होने का संकेत दे रही है। अपने कार्यो को आगे बढ़ाने के लिए भरपूर प्रयास करेंगे और उनमें सफल भी होंगे, वहीं ईगो के चलते कुछ कार्य अटक भी सकते हैं। दूसरों से कार्य निकलवाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। आर्थिक स्थिति ठीकठाक रहेगी।

मिथुन : राशि स्वामी के अस्त होने और मकर राशि में प्रवेश करने के कारण मध्य सप्ताह के बाद से थोड़ी परेशानी महसूस कर सकते हैं। कार्य मंद पड़ेंगे। शरीर में आलस्य और सुस्ती छाई रहेगी। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी लेकिन कोई बड़ा खर्च अचानक आ सकता है। नौकरी और व्यवसाय में मनमुताबिक उन्नति नहीं मिलेगी।

कर्क : सप्ताह में चंद्र का गोचर कन्या से वृश्चिक में होगा। रोग पनपेंगे। रिश्तों में तनाव पैदा होगा और अचानक कोई मानसिक और शारीरिक कष्ट आ सकता है। इस सप्ताह आपका भाग्य प्रभावित रहेगा। आर्थिक संकट या कोई बड़ा खर्च आने की संभावना है। पारिवारिक जीवन में तनाव, विवाद होने की आशंका है। अपनी वाणी पर संयम रखें।

सिंह : मकर राशि के सूर्य के साथ अन्य ग्रहों की युति थोड़ी परेशानी का कारण बन सकती है। आपकी योजनाएं चलते-चलते ठप पड़ सकती हैं। कार्यो में अचानक ठहराव आएगा। नौकरी पेशा को अधिकारियों से विवाद, बिजनेस में मुश्किलों का सामना होगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा लेकिन थोड़ी दिक्कत आ सकती है।

कन्या : राशि में चंद्र के गोचर के कारण सप्ताह के प्रारंभ में मानसिक कष्ट रहेगा। राशि स्वामी के अस्त होने से कार्य शिथिल पड़ सकते हैं। नौकरी में तनाव पैदा होगा। व्यापार में अस्थिरता का माहौल बनेगा। शारीरिक अस्वस्थता भी अनुभव कर सकते हैं। सप्ताह का उत्तरार्ध शुभ रहेगा। अचानक पैसों का आगमन होगा।

तुला : सप्ताह की शुरुआत में शुभ समाचार प्राप्त होगा। आर्थिक, मानसिक, शारीरिक मजबूती रहेगी। जो कार्य करेंगे उनमें सफलता निश्चित है। नए कार्य भी प्रारंभ कर सकते हैं। धार्मिक आध्यात्मिक यात्राएं होने के योग हैं। परिवार में मांगलिक प्रसंग आएंगे। मित्रों के साथ सप्ताह के अंत में विवाद हो सकता है। अपने क्रोध और वाणी पर संयम रखें।

वृश्चिक : क्रोध और तनावपूर्ण स्थितियों से खुद को अलग करें। बेवजह की बातों में दिमाग लगाने की बजाय कुछ सकारात्मक सोचें। आर्थिक स्थितियां प्रबल होने वाली हैं। स्वराशि का मंगल आपके शत्रुओं को परास्त करेगा। कार्यो को गति मिलेगी और आप अब तक की सारी कमियों को दूर करने में सफल होंगे।

धनु : धनु स्थान में एक से अधिक ग्रहों की उपस्थिति मिलेजुले परिणाम देगी। पुराने निवेश, संपत्ति की खरीदी-बिक्री से लाभ तो होगा लेकिन किसी को पैसा उधार देकर फंस सकते हैं। ध्यान रखें प्रेम प्रकरण उलझ सकते हैं। विवाद से दूर रहें। किसी का अपमान करेंगे या जोर जबर्दस्ती करेंगे तो मुश्किल से घिर सकते हैं।

मकर : शारीरिक शिथिलता और आलस्य हावी रहेगा। इससे कई कार्य अटक जाएंगे। नया कार्य प्रारंभ करना चाहते हैं तो करिए, समय अनुकूल है। पारिवारिक जीवन में सुखद वातावरण रहेगा। मौजूदा समय में नौकरीपेशा को मानसिक तनाव हो सकता है। विद्यार्थियों को पढ़ाई पर फोकस करना। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी।

कुंभ : पारिवारिक, सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सकारात्मक बदलाव आएगा। संबंधों में चल रहा टकराव समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती की ओर अग्रसर होंगे। नए लोगों से रिश्ते बनेंगे जो कार्य-व्यवसाय में लाभ देंगे। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। मन प्रसन्न रहेगा। शारीरिक व्याधियां दूर होंगी। बच्चों के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

मीन : पैसों का भरपूर आगमन होने के संकेत हैं। भाग्य का साथ मिलने से जीवन की अनेक परेशानियां दूर हो जाएंगी। नए कार्य-व्यवसाय के लिए समय उचित है। स्टार्टअप से लाभ, जीवन शैली संयमित रहेगी। धार्मिक आध्यात्मिक कार्यों में शामिल होंगे। परिवार के बड़े बुजुर्गों का सहयोग और साथ मिलेगा।

साली-इतने साल हो गये जीजा की आपने आज तक कुछ नहीं दिया

जीजा-दिल तो दिया है और क्या चाहिए

साली-नहीं जीजा जी, कोई सोने की चीज़ दिलाओ ना

जीजा-चलो शाम को नया तकिया ला दूंगा, खूब मजे से सोना

डॉक्टर: शराब पीते हो तो एक काम करना होगा

शराबी: क्या करना होगा डॉक्टर साहब

डॉक्टर: कसरत करनी होगी रोज।

शराबी: जी डॉक्टर साहब, इसलिए ठेके तक तो पैदल ही जाता हूं।

गोलू जब अपने रिपोर्ट कार्ड पर पापा से हस्ताक्षर करवाने गया,

तो गोलू के पापा ने उसपर अंगूठा लगा दिया

गोलू ने पूछा - पापा आप तो इंजीनियर हो, फिर अंगूठा क्यों लगाया ?

पापा- बेटा जैसे तेरे नंबर आए हैं ना, उससे तेरी टीचर को पता नहीं लगना चाहिए कि तेरा बाप पढ़ा लिखा है।

लुधियाना में चक्का जाम के दौरान झंडे में दिखी भिंडरावाले की तस्वीर!

चंडीगढ़, केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों के विरोध में किसान यूनियनों ने शनिवार को राष्ट्रव्यापी 'चक्का जाम' किया। इस दौरान पंजाब के लुधियाना शहर से हैरान करने वाली तस्वीर सामने आई है। यहां पर हो रहे किसानों के चक्का जाम के दौरान एक ट्रैक्टर में लगे झंडे में भिंडरावाले जैसे शख्स की तस्वीर दिखी है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या सच में चक्का जाम में भी खालिस्तानी तत्व घुसपैठ करने में कामयाब रहे?

दरअसल शनिवार को एएनआई न्यूज एजेंसी की ओर से लुधियाना में किसानों के चक्का जाम का एक वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में एक ट्रैक्टर पर झंडा लगा है, जिसमें जरनैल सिंह भिंडरावाले जैसे शख्स की तस्वीर नजर आ रही है।

पंजाब और हरियाणा में किसानों ने जाम की सड़कें

पंजाब और हरियाणा में किसान निकायों से जुड़े प्रदर्शनकारी किसानों ने शनिवार को अलग-अलग स्थानों पर स्टेट और नेशनल हाइवे पर चक्का जाम किया। इसके कारण यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा। भारती किसान यूनियन (एकता उग्रहां) के महासचिव सुखदेव सिंह कोकरिकलां ने कहा कि वे पंजाब के संगरूर, बरनाला और बठिंडा समेत 15 जिलों के 33 स्थानों पर सड़कें जाम कर रहे हैं।

गाजीपुर बॉर्डर पर थी कड़ी सुरक्षा, देखें एम्बुलेंस के लिए किसानों ने कैसे खोला रास्ता

किसानों ने दी थी चेतावनी

किसान यूनियनों ने सोमवार को घोषणा की थी कि प्रदर्शन स्थलों के आसपास के इलाकों में इंटरनेट पर पाबंदी लगाने, अधिकारियों की ओर से कथित रूप से प्रताड़ित किए जाने और अन्य मुद्दों को लेकर वह छह फरवरी दोपहर 12 बजे से तीन बजे तक देशव्यापी चक्का जाम के दौरान विरोधस्वरूप स्टेट और नेशनल हाइवे जाम करेंगे।

सीआरपीएफ की घातक 'कोबरा' यूनिट में शामिल हुई 34 महिला कमांडो की पहली टुकड़ी, नक्सलियों से लेगी लोहा

गुरुग्राम, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में 34 महिला कर्मियों की पहली टुकड़ी को जंगल युद्ध के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित कमांडो यूनिट 'कोबरा' में शामिल किया गया, इन्हें जल्द ही देश के ऐंटी नक्सल अभियानों में तैनात किया जाएगा।

खुफिया सूचना आधारित जंगल युद्ध अभियानों के लिए 2009 में सीआरपीएफ में कमांडो बटालियन 'कोबरा' का गठन किया गया था। इसमें अब तक पुरुषकर्मी ही सेवा देते रहे हैं। कोबरा बटालियन के अधिकतर कमांडो माओवादी हिंसा से प्रभावित विभिन्न राज्यों में तैनात हैं जबकि इसके कुछ कमांडो उग्रवाद रोधी अभियानों के लिए पूर्वोत्तर राज्यों में तैनात हैं। यहां कदारपुर गांव में बल के शिविर में आयोजित एक कार्यक्रम में सीआरपीएफ महानिदेशक ए पी माहेश्वरी ने कमांडो के रूप में चुनी गई महिलाओं के साहसिक कारनामे देखे। उन्होंने कहा कि लिंग आधारित धारणाओं एवं रूढ़िवादी सोच को पराजित करना अहम है। सीआरपीएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि कोबरा बटालियन के लिए ये महिला कर्मी बल की वर्तमान सभी महिला बटालियनों से चुनी गई हैं। प्रवक्ता ने कहा, 'ये महिलाएं पहले तीन महीने के प्रशिक्षण से गुजरेंगी और फिर उन्हें सुकमा, दंतेवाड़ा तथा बीजापुर जैसे नक्सल प्रभावित जिलों में तैनात कोबरा इकाइयों में शामिल किया जाएगा।'

बंगाल चुनाव से पहले हटाए गए कोलकाता के पुलिस कमिश्नर अनुज शर्मा, सोमेन मित्रा बने नए CP

कोलकाता, पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों (West Bengal Assembly Elections) से पहले अफसरशाही में हलचल शुरू हो गई है। शनिवार को ममता बनर्जी सरकार ने कई पुलिस अफसरों को इधर-उधर कर दिया। सोमेन मित्रा को कोलकाता का नया पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया है। सोमेन मित्रा को अनुज शर्मा की जगह लाया गया है। शर्मा को राज्य सीआईडी में अतिरिक्त महानिदेशक बनाया गया है।

इनके अलावा जावेद उस्मीन को पश्चिम बंगाल पुलिस का अतिरिक्त महानिदेशक (लॉ एंड ऑर्डर) बनाया गया है। वह ज्ञानवंत सिंह की जगह लेंगे। सरकारी की तरफ से जारी आदेश के मुताबिक, अजय कुमार नंद बैरकपुर पुलिस कमिश्नरेट के नए आयुक्त होंगे। इसी तरह सुप्रतिम सरकार को बिधानगर का पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया है। गौरतलब है कि सोमेन मित्रा अबतक पश्चिम बंगाल पुलिस के एडीजी (प्रशिक्षण) का पद संभाल रहे थे।

294 सीटों पर होने हैं चुनाव

आपको बता दें कि राज्य में आगामी अप्रैल तक विधानसभा चुनाव आयोजित होने हैं। 294 विधानसभा सीटों पर चुनाव कराने के लिए सरकारी मशीनरी पूरी तैयारी में जुट गई है। इससे पहले 2016 विधानसभा चुनावों से पहले भी चुनाव आयोग ने कोलकाता के तत्कालीन पुलिस आयुक्त राजीव कुमार की जगह पर सोमेन मित्रा को नियुक्त किया था।

सनी लियोनी ने लाखों रुपये लिए एडवांस, कार्यक्रम में पहुंची नहीं, केरल पुलिस ने किया ये काम

कोच्चि, बॉलीवुड अभिनेत्री सनी लियोनी के ऊपर पैसे लेकर कार्यक्रम में शामिल नहीं होने का आरोप लगा है। सनी लियोनी पर आरोप है कि उन्होंने कोच्चि में दो कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए 29 लाख रुपये एडवांस लिए थे, बावजूद इसके वो कार्यक्रम में नहीं पहुंचीं। इस मामले में केरल पुलिस ने शुक्रवार शाम को सनी लियोनी से पूछताछ की है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, आर शियस ने केरल पुलिस में सनी लियोनी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में कहा गया कि सनी लियोनी से दो कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए 29 लाख रुपये का कॉन्ट्रैक्ट किया था। वहीं सनी लियोनी की ओर से एक व्यक्ति ने बताया कि 29 लाख रुपये नही बल्कि 12 लाख रुपये थे, जिसे जल्द वापस कर दिया जाएगा।

सनी लियोनी ने रखा अपना पक्ष

दरअसल इस समय बॉलीवुड अभिनेत्री सनी लियोनी केरल में हैं। उन्होंने केरल पुलिस से पूछताछ में बताया कि वह कोरोना महामारी के चलते कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाईं। साथ ही उन्होंने कहा कि कार्यक्रम पांच बार बदला और इसके लिए आयोजक ही जिम्मेदार हैं। सनी लियोनी के कार्यक्रम में भारी भीड़ दरअसल कोच्चि में सनी लियोनी का कार्यक्रम होने पर भारी भीड़ होती है। अगस्त 2017 में सनी लियोनी के आने के दौरान घंटों सड़क पर जाम लग गया था। वो यहां एक मोबाइल स्टोर का उद्घाटन करने पहुंची थीं। इस पर केरल पुलिस ने मोबाइल स्टोर मालिक और अन्य 100 लोगों पर आईपीसी की धारा 283 (सड़क पर बाधा पैदा करना) और धारा 34 (एक ही उद्देश्य से कई लोगों का एक ही काम करना) के तहत मामला दर्ज किया था।

तोमर के 'खून से खेती' वाले बयान पर गरमाई राजनीति, दिग्विजय ने दिलाई गोधरा की याद

ग्वालियर, केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के खून से खेती वाले बयान को राज्यसभा की कार्यवाही से हटा दिया गया, लेकिन इस पर राजनीति रुकने का नाम नहीं ले रही है। तोमर के बयान के एक दिन बाद मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने उनके इस बयान पर पलटवार किया है। दिग्विजय ने बीजेपी से पूछा है कि गोधरा में खेती खून से हुई थी या पानी से।

शनिवार को ग्वालियर पहुंचे दिग्विजय ने सवाल किया कि गोधरा में सिंचाई पानी से हुई थी या खून से, पहले इसका जवाब आना चाहिए। दिग्विजय ने कहा कि खून की खेती बीजेपी करती है क्योंकि वह हमेशा नफरत और हिंसा की राजनीति करती है। कांग्रेस तो शांतिप्रिय पार्टी है जो हमेशा सत्य और अहिंसा के रास्ते पर चलती है।

मध्य प्रदेश में अवैध खनन पर बोलते हुए उन्होंने प्रदेश की बीजेपी सरकार पर गंभीर आरोर लगाए। दिग्विजय ने कहा कि अवैध खनन करने वाले लोग शासन-प्रशासन के साथ विधायकों, मंत्रियों और मुख्यमंत्री तक को हिस्सा देते हैं। यही कारण है कि आए दिन पुलिस और प्रशासन की टीम पर हमले होते हैं। उन्होंने साफ कहा कि अगर प्रशासॉन ईमानदारी से प्रयास करे तो अवैध खनन को एक दिन में रोका जा सकता है।

ऐसी शादी देखी क्या! घोड़ी पर सवार दुल्हन बारात लेकर पहुंची दूल्हे के घर पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती द्वारा शराबबंदी के लिए आंदोलन की घोषणा पर उन्होंने बीजेपी के अंदरूनी मतभेदों पर तंज कसा।

दिग्विजय ने कहा कि उमा कहती कुछ हैं और करती कुछ और हैं।उन्होंने कटाक्ष किया कि मुख्यमंत्री कहते हैं नई दुकानें नहीं खोलेंगे जबकि नरोत्तम मिश्रा कहते हैं नई दुकानें खोलेंगे। बीच में उमा भारती शराबबंदी के लिए आंदोलन का आलान कर रही हैं। इसमें किसकी बात को सच मानें, यही समझना मुश्किल है।

दिग्विजय ने राम मंदिर के निर्माण के लिए चंदा संग्रह अभियान पर भी बीजेपी और विश्व हिंदू परिषद पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि चंदा वसूली के लिए डंडे और तलवारें लेकर जा रहे हैं और उल्टे सीधे नारे लगा रहे हैं। चंदा वसूलने के नाम पर प्रदेश के कई इलाकों मे सांम्प्रदायिकता फैलाई जा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री अल्प प्रवास पर ग्वालियर आए थे जहां रेलवे स्टेशन पर उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलने के बाद वे अपने गृह जिला गुना के लिए प्रस्थान कर गए।

लश्करे-मुस्तफा का सरगना जम्मू से गिरफ्तार, बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में था आतंकवादी

जम्मू, जम्मू पुलिस ने अनंतनाग पुलिस के साथ मिलकर कुंजवानी इलाके से एक आतंकी को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान हिदायतुल्ला मलिक निवासी शोपियां के रूप में हुई है। वह नया बने आतंकी संगठन लश्करे-मुस्तफा का चीफ है। उसे गिरफ्तार करने के बाद पूछताछ के लिए ले जाया गया। पूछताछ के बाद आतंकी की निशानदेही पर कुछ ठिकानों पर छापे मारे जा रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि उसके साथ एक महिला भी मौजूद थी, लेकिन पुलिस अभी जांच कर रही है कि आतंकवाद में उसकी सहभागिता है या नहीं।

जानकारी के अनुसार पुलिस को पुख्ता सूचना मिली थी कि लश्करे-मुस्तफा का चीफ जम्मू में आया हुआ है। इस सूचना पर पुलिस काम करने में लगी हुई थी। अनंतनाग पुलिस की तरफ से भी जानकारी दी गई थी। दोपहर को पुलिस को सूचना मिली कि यह कमांडर कुंजवानी इलाके में एक शॉपिंग माल के पास है। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस की टीम ने मौके पर छापा मारा। एसएसपी जम्मू श्रीधर पाटिल टीम को लीड कर रहे थे।

इस दौरान आतंकी को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान पता चला कि वह लश्करे-मुस्तफा का चीफ है। यह संगठन जैश आतंकी संगठन के अधीन काम करता है। पूछताछ के दौरान आतंकी ने बताया कि वह जम्मू में हमला करने की फिराक में आया हुआ था। उसके लिए प्लान बनाया जा रहा था, लेकिन इससे पहले कि वह कोई हमला करता पुलिस की तरफ से उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इस तरह से पुलिस ने समय पर कार्रवाई करते हुए आतंकी को गिरफ्तार करके कोई बड़ी घटना होने से टाल दी। आईजी जम्मू मुकेश सिंह ने बताया कि आतंकी को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ के बाद ठिकानों पर छापे मारे जा रहे हैं। माना जा रहा है कि वह जम्मू में कोई बड़ी घटना करने की फिराक में था।

परिवर्तन यात्रा को हरी झंडा दिखा बोले जेपी नड्डा- 'बंगाल में TMC का जाना और BJP का आना तय'

कोलकाता, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार शाम नदिया जिले के नवद्वीप में 'परिवर्तन यात्रा' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पहले यहां आयोजित रैली में उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा। जेपी नड्डा ने कहा कि ममता बनर्जी ने बंगाल के 70 लाख किसानों ने सम्मान निधि योजना से वंचित रखा। अब ममता बनर्जी बंगाल में यह योजना लागू करने जा रही हैं, लेकिन अब पछताने से कुछ नहीं होगा। अब बंगाल में परिवर्तन आएगा। यहां से टीएमसी का जाना और बीजेपी का आना तय है। इससे पहले नड्डा के नेतृत्व में बंगाल बीजेपी ने रोड शो भी निकाला। 'ममता दीदी ने मां-माटी-मानुष की कद्र नहीं की'

जेपी नड्डा ने रैली में कहा कि यहां से शुरू होती है परिवर्तन यात्रा। यह केवल सरकार का नहीं बल्कि सोच का भी बदलाव है। ममता दीदी ने 'माटी मानुष' की शपथ लेकर 10 साल पहले सरकार का गठन किया। 10 साल में, 'मां' को लूट लिया गया, 'माटी' का अनादर किया गया और 'मानुष' की रक्षा नहीं की गई।

'परिवर्तन यात्रा से बंगाल की जनता को जगाएंगे'

जेपी नड्डा ने कहा कि यहां पर टोलाबाजी, तुष्टिकरण और तानाशाही विराजमान रही है। इसलिए बीजेपी ने तय किया है कि परिवर्तन यात्रा के माध्यम से बंगाल की जनता को जगाएंगे, उनको बताएंगे, बल्कि मुझे तो लगता है कि अब बंगाल की जाग चुकी है। 'बंगाल में भी आएगा सुशासन'बीजेपी अध्यक्ष ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में बंगाल में परिवर्तन का समय आ गया है। यहां भी सुशासन आएगा। ममता सरकार ने यहां भ्रष्टाचार को संस्थागत बना दिया है। प्रशासन का राजनीतिकरण कर दिया गया है और पुलिस का इस्तेमाल क्रिमिनल एक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है। इन सब पर रोक लगाई जाएगी।

'ममता नहीं संभाल सकतीं बंगाल की संस्कृति'

नड्डा ने कहा कि पश्चिम बंगाल की संस्कृति को ममता बनर्जी नहीं संभाल सकती। इसकी सुरक्षा बीजेपी के कार्यकर्ता करेंगे। ममता जिस तरह मेरे नाम के आगे विशेषण लगाती हैं, वो बताता है कि आपने बंगाल की संस्कृति का निरादर किया है। नड्डा ने कहा कि पूरे देश में महिलाओं पर सबसे ज्यादा अत्याचार बंगाल में होता है। दुष्कर्म और घरेलू हिंसा की सबसे ज्यादा वारदातें यहां होती हैं। यहां की मुख्यमंत्री एक महिला हैं, फिर भी अगर यहां महिलाओं की इज्जत ना हो तो राज्य को परिवर्तन की जरूरत है।

'मेरे ऊपर जब हमला हुआ तो आम लोगों का क्या'

नड्डा ने कहा कि ममता सरकार विकास की राह में रोड़ा है। इसके जाने से ही बंगाल का विकास होगा। ममता राज में जब मेरे ऊपर हमला हो सकता है तो आम आदमी की क्या हालत होगी, इसे बखूबी समझा जा सकता है।

'इतने दिनों तक नेताजी को क्यों नहीं दीदी ने किया याद'

बीजेपी चीफ ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने नेताजी को याद किया तो ममता दीदी परेशान हो गईं। मैं यह पूछता हूं कि इतने दिनों तक दीदी ने नेताजी को क्यों नहीं याद किया। इससे पहले नड्डा के रोड शो में समर्थकों की भीड़ उमड़ी। रोड शो के दौरान नड्डा ने कहा, 'जो हर्षोल्लास मैं देख रहा हूं वो बताता है कि मोदी जी के काम जो उन्होंने किए हैं और जो उन्होंने बंगाल को देने का प्रयास किया है, जिसे ममता जी ने रोकने का काम किया है।

लुटेरों के निशाने पर बिहार के जूलर और बैंक, दरभंगा की गुत्थी सुलझते ही भागलपुर में डाका

लुटेरों के निशाने पर बिहार के जूलर और बैंक, दरभंगा की गुत्थी सुलझते ही भागलपुर में डाका पटना, भले ही बजट के बाद सोने की कीमतों में कमी आई है, मगर चोरों की नजर में इसकी चमक अब भी बरकरार है। बिहार में इन दिनों सोना लुटेरों की 'चांदी' है। पिछले तीन महीने में चोरों ने अलग-अलग वारदातों में 18 करोड़ से ज्यादा के सोना लूटकांड को अंजाम दिया है। बिहार में आजकल लुटेरों की नजर या तो सोना पर है या फिर नगदी पर। शायद ही कोई सप्ताह गुजरता है, जब लुटेरे किसी बैंक या फिर किसी सोना लूटकांड को अंजाम न देते हों। भागलपुर में 1 करोड़ की सोना लूट भागलपुर में दिनदहाड़े 1 करोड़ की सोना की लूट हुई। आंख में मिर्च पाउडर झोंककर बाइकसवार अपराधियों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया। ज्वेलरी दुकान के कैरिंग एजेंट से सोना की लूट हुई है। पटना के रहनेवाले अभिषेक कुमार कोलकाता से सोने की ज्वेलरी लेकर भागलपुर पहुंचे थे। उनके साथ विक्रमशीला के बाबू साहब सिंह भी थे। शनिवार को सुपर एक्सप्रेस से उतरे और स्कूटी से शहर के विशाल स्वर्णिका ज्वेलर्स की ओर जा रहे थे।

डीएन सिंह रोड स्थित तनिष्क शो रूम के पास पहुंचे ही थे कि सामने से बाइक पर सवार चार बदमाश आए। जबतक दोनों कुछ समझ पाते बदमाशों ने दोनों की आंखों में मिर्च पाउडर झोंक दिया। उनमें से बाइक के पीछे बैठे दो बदमाशों ने पिस्तौल सटाया और अभिषेक के पास रखे सोने की ज्वेलरी से भरा बैग लूट लिया। इससे पहले दरभंगा, मुजफ्फरपुर और वैशाली समेत कई जिलों में सोना लूट की घटना हो चुकी है। दरभंगा में 9 दिसंबर को 55 किलो सोना लूट लिया गया था। मुथूट फाइनेंस के ऑफिस से मुजफ्फरपुर और वैशाली में करोड़ों की सोना की लूट हो चुकी है। इन सभी मामलों में पुलिस को कुछ खास कामयाबी नहीं मिली है।

सुपौल में ATM में गार्ड की हत्या कर 45 लाख की लूट

जदिया में पुलिस को खुली चुनौती देते हुए दो बदमाशों ने दिनदहाड़े एटीएम में राशि डालने के दौरान 45 लाख रुपए लूट लिया. इस दौरान विरोध करने पर बदमाशों ने एक गार्ड की गोली मार हत्या कर दी। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम में राशि डालने वाली निजी कंपनी एसआईएस के दो कर्मचारी जदिया बाजार स्थित एक एटीमएम में पहुंचे थे। रुपए से भरा ब्रीफकेस लेकर एक कर्मचारी और गार्ड जैसे ही एटीएम के पास पहुंचे वहां खड़े एक युवक ने गार्ड की सिर में गोली मार दी।

बिहार में अब सांसदों के बैंक खाते भी सुरक्षित नहीं, जानिए किसने उड़ाए 89 लाख रुपये?

छपरा, महाराजगंज के बीजेपी सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल के संसदीय क्षेत्र विकास कोष से 89 लाख के फर्जीवाड़े के मामले में केंद्रीय गृह सचिव ने बिहार के मुख्य सचिव से तीन दिनों के अंदर रिपोर्ट तलब की है। बता दें कि फर्जीवाड़े में शामिल अधिकारियों और बैंक कर्मियों की मिलीभगत के संभावना की जांच भी की जा रही है। मामले में जांच की स्थिति की जानकारी सांसद को भी दी जा रही है। दरअसल महाराजगंज के सांसद ने सवाल उठाया था कि आखिर किन परिस्थितियों में उनके फंड की राशि महाराष्ट्र स्थित बैंक में ट्रांसफर की गई। सांसद की शिकायत के बाद गृह मंत्री अमित शाह के हस्तक्षेप से महाराष्ट्र पुलिस ने आरोपी बैंक खातेदार को अहमदनगर से गुरुवार की देर शाम से ही पूछताछ की जा रही है। मुख्य सचिव ने सारण डीएम से मामले की गहराई से जांच करके रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया है। फिलहाल इस मामले को लेकर जिला प्रशासन के लोग भी सकते में हैं। दरअसल सांसद क्षेत्रीय विकास कोष का खाता शहर के हथुआ बाजार के समीप बैंक आफ बड़ौदा के मुख्य शाखा में है। बताया गया कि सांसद के खाते से पहली बार 42 लाख और दूसरी बार 47 लाख रूपये का फर्जीवाड़ा किया गया है। माना जा रहा है कि क्लोन चेक के जरिए रकम को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के बैंक आफ बड़ौदा शाखा में आरटीजीएस किया गया है। सारे पैसे खातेदार संदीप मांगीलाल कोठारी के खाते में ट्रांसफर किए गए हैं। रुपये का ट्रांसफर तीन महीने पहले 4 नवंबर को ही हुआ था।

खेल जगत

जो रूट ने जड़ा दोहरा शतक, टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा करने वाले बने पहले बल्लेबाज

भारत और इंग्लैंड के बीच चेन्नई के एम चिदंबरम स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड की टीम काफी मजबूत स्थिति में नजर आ रही है। दूसरे दिन के टी ब्रेक तक टीम ने 450 का आंकड़ा पार कर दिया है और महज 4 विकेट गंवाए हैं। जो रूट अपने करियर का 5वां दोहरा शतक जड़ चुके हैं और क्रीज पर डटे हुए हैं। रूट विश्व के ऐसे पहले बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने अपने 100वें टेस्ट मैच में दोहरा शतक जड़ा है। इससे पहले कोई भी बल्लेबाज ऐसा नहीं कर सका है।

इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने टेस्ट के दूसरे दिन भी शानदार बल्लेबाजी जारी रखा और जो रूट ने बेन स्टोक्स (82) के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 125 रन जोड़े। स्टोक्स को शाहबाज नदीम ने आउट करके भारत को कुछ राहत दिलाई। हालांकि, जो रूट अभी भी क्रीज पर डटे हुए हैं और बेहद आसानी के साथ रन बटोर रहे हैं। रूट टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में अपना 100वां मैच खेलते हुए दोहरा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज हैं। इसके साथ ही रूट 98वें, 99वें और 100वें टेस्ट मैच में लगातार शतक जड़ने वाले भी पहले बल्लेबाज हैं। रूट ने टेस्ट के पहले दिन 128 रन बनाकर नाबाद रहे थे। भारत की टीम ने इस मैच में तीन स्पिन गेंदबाजों के साथ उतरी है, लेकिन तीनों ही स्पिनर अभी तक कुछ खास प्रभाव नहीं छोड़ सके हैं। अक्षर पटेल के बाहर होने के बाद टीम में शामिल किए गए शाहबाज नदीम रनों पर अंकुश लगाने में नाकाम रहे हैं और इंग्लैंड के बल्लेबाज उनको काफी आसानी के साथ खेल रहे हैं। वहीं, रविचंद्रन अश्विन और वॉशिंगटन सुदंर भी अभी तक लय में नजर नहीं आए हैं। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने सबसे ज्यादा 2 विकेट चटकाए हैं, जबकि अश्विन और नदीम को एक-एक विकेट मिला है।

लगातार दूसरी बार सिडनी सिक्सर्स की टीम बनी चैंपियन, जेम्स विंस रहे जीत के हीरो

बिग बैश लीग के 10वें सीजन का खिताब सिडनी सिक्सर्स की टीम ने अपने नाम कर लिया है। सिडनी की टीम ने फाइनल मैच में पर्थ स्कॉर्चर्स को 27 रनों से हराया और लगातार दूसरी बार इस ट्रॉफी को अपने नाम किया। सिडनी की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में जेम्स विंस की 95 रनों की शानदार पारी की बदौलत 6 विकेट खोकर 188 रन बनाए। जवाब में पर्थ स्कॉर्चर्स की टीम 9 विकेट गंवाकर 161 रन ही बना सकी। टॉस जीतकर पर्थ स्कॉर्चर्स की टीम ने सिडनी को बल्लेबाजी करने के लिए कहा। सिडनी टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और जोसेफ फिलिप (9) दूर्भाग्यपूर्ण तरीके से रनआउट हो गए। टीम के कप्तान मोइजेस हेनरिक्स भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 18 रन बनाकर एंड्रयू टाय का शिकार बने। सिडनी की टीम ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए, लेकिन विंस एक छोर पर खड़े रहे और लगातार तेजी से रन बटोरते रहे। जेम्स विंस ने महज 60 गेंदों में 95 रनों की आतिशी पारी खेली, जिसमें उन्होंने 10 चौके और तीन लंबे छक्के लगाए। विंस ने इससे पहले क्वॉलिफायर मैच में भी पर्थ के खिलाफ 98 रनों की पारी खेली थी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पर्थ स्कॉर्चर्स की शुरुआत अच्छी रही और बेनक्राफ्ट (30) और लिविंगस्टोन (45) ने पहले विकेट के लिए 45 रन जोड़े। लेकिन, इन दोनों के आउट होने के बाद पर्थ की टीम ने लगातार अपने विकेट गंवाए। कप्तान एश्टन टर्नर भी बल्ले से कमाल नहीं दिखा सके और 11 रन बनाकर आउट हुए। मिचेल मार्श ने भी महज 11 रनों का योगदान दिया। सिडनी सिक्सर्स की टीम ने लगातार दूसरी बार बिग बैश के खिताब को अपने नाम किया है। कुल मिलाकर सिडनी की टीम तीन दफा इस ट्रॉफी पर कब्जा कर चुकी है।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना से ड्रॉ खेला, जीत के बिना ही दौरा खत्म

ब्यूनस आयर्स, भारतीय महिला हॉकी टीम ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए अर्जेंटीना दौरे का (India tour of Argentina) अंत मेजबान के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ के साथ किया। दुनिया की दूसरे नंबर की टीम के खिलाफ कप्तान रानी ने 35वें मिनट में गोल दागा जबकि मेजबान के लिए एमिलिया फोरचेरियो ने पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल किया।

यह भारतीय टीम का चौथा मैच था जबकि तीसरा मैच लगातार बारिश के कारण रद्द कर दिया गया था। इससे पहले भारत ने अर्जेंटीना की जूनियर टीम से 2-2 और 1-1 से ड्रॉ खेला जबकि अर्जेंटीना की बी टीम से 1-2, 2-3 से हार गई। अर्जेंटीना की सीनियर टीम के खिलाफ भारत पहले दो मैच 2-3, 0-2 से हार गई थी। आखिरी मैच में भारतीय टीम जीत के लिए कमर कसकर उतरी थी लेकिन अनुभवी मेजबान टीम ने उसके मंसूबों पर पानी फेर दिया। मेजबान ने पहले क्वार्टर से ही हमले बोलने शुरू कर दिये जिससे भारतीय डिफेंस पर दबाव बन गया। अर्जेंटीना ने पहले क्वॉर्टर के तीन मिनट के भीतर दो पेनल्टी कॉर्नर बनाए। भारतीय गोलकीपर सविता ने हालांकि दोनों पर गोल नहीं होने दिए। भारत को 11वें मिनट में मिला पेनल्टी कॉर्नर बेकार गया। दूसरे क्वॉर्टर में तीन मिनट बाद रानी को एक और मौका मिला जब अनुभवी वंदना कटारिया ने उनकी मदद की लेकिन भारतीय कप्तान अर्जेंटीना के डिफेंस को नहीं भेद सकी। अर्जेंटीना ने 23वें और 24वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर बनाए लेकिन सविता ने गोल नहीं होने दिए।

तीसरे क्वॉर्टर में एक बार फिर वंदना की मदद से रानी ने गोल किया। भारत को 39वें और 50वें मिनट में बढ़त दोगुनी करने का मौका मिला लेकिन दोनों मौके गंवा दिए। दूसरी ओर अर्जेंटीना लगातार हमले बोलती रही और 55वें मिनट में उसे पेनल्टी स्ट्रोक मिल गया।

मार्क बाउचर ने लिए आर अश्विन के मजे, बोले- उम्र से 20 साल अधिक दिखते हैं

भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन भी इंग्लैंड के बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों पर हावी रहे। दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने 8 विकेट के नुकसान पर 555 रन बना लिए थे। दूसरे दिन इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए दोहरा शतक जड़ा।

उन्हें शाहबाज नदीम ने 218 रन के स्कोर पर आउट किया। इस दौरान इग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर मार्क वाउचर ने आर अश्विन की चुटकी ली। उन्होंने कहा अश्विन अपनी उम्र से 20 साल ज्यादा दिखते हैं।

देश परदेश

फ्रांस में फिर हुआ जोरदार धमाका, 5 लोग घायल, आतंकी साजिश तो नहीं?

बोर्डो, फ्रांस के बोर्डो शहर आज हुए जोरदार धमाके से दहल गया। इस धमाके में पांच लोगों के घायल होने की खबर है, जिसमें दो की हालत नाजुक बताई जा रही है। आशंका जताई जा रही है कि यह धमाका बिल्डिंग में लगी गैस पाइपलाइन में लीकेज के कारण हो सकता है। हालांकि, पुलिस अधिकारी इस जगह की अच्छे से जांच करने के बाद ही धमाके के कारण पर आधिकारिक बयान जारी करेंगे।

बिल्डिंग के गिरने का खतरा बढ़ा

घटनास्थल पर फ्रांसीसी पुलिस के अलावा आपातकालीन सेवाओं को तैनात कर दिया गया है। पुलिस ने धमाके वाली बिल्डिंग में मौजूद सभी लोगों को सुरक्षित निकाल दिया है। विस्फोट के कारण बिल्डिंग को काफी नुकसान पहुंचा है। आपातकालीन विभाग ने कहा है कि धमाके के कारण बिल्डिंग के गिरने का खतरा बढ़ गया है, इसलिए अब मरम्मत के बाद ही किसी को अंदर घुसने दिया जाएगा। धमाके से आसपास की खिड़कियों के कांच टूटे

फ्रांस की स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, धमाका इतना जोरदार था कि इसकी गूंज पूरे बोर्डो शहर में सुनी गई। इस धमाके में आसपास मौजूद दुकानों की खिड़कियां तक चकानचूर हो गई हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह विस्फोट कितना ताकतवर था। इस्लामिक आतंकवाद से जूझ रहा फ्रांस फ्रांस पिछले कुछ महीने से इस्लामिक आतंकवाद से जूझ रहा है। 16 अक्टूबर को पेरिस के उपनगरीय इलाके में एक शिक्षक की मोहम्मद साहब का कार्टून दिखाने के कारण गला काटकर हत्या कर दी गई थी। जिसके बाद फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने इसे इस्लामिक आतंकवाद करार दिया था। उसके बाद से चार्ली हेब्दो के ऑफिस के बाहर भी फायरिंग की घटनाओं ने फ्रांस की चिंता को बढ़ा दिया था।

ब्रिटिश सांसदों की गोलबंदी नहीं आई काम, ब्रिटेन ने कहा-कृषि सुधार भारत का अंदरूनी मामला

लंदन, किसान आंदोलन को लेकर ब्रिटिश सांसदों की गोलबंदी भी बोरिस जॉनसन सरकार के ऊपर दबाव नहीं बना सकी है। ब्रिटिश सरकार ने शनिवार को संसद में कहा कि कृषि सुधार भारत का अंदरूनी मामला है। ब्रिटेन के कई सांसद किसान आंदोलन को लेकर ब्रिटिश सरकार से भारत के ऊपर दबाव बनाने का आग्रह कर रहे थे। इस मुद्दे को ब्रिटिश संसद में भी उठाया जा चुका है।

ब्रिटेन ने कृषि सुधारों को भारत की घरेलू नीति बताया

ब्रिटिश विदेश कार्यालय में एशिया मामलों के मंत्री निगेल एडम्स ने ब्रिटिश संसद में एक लिखित प्रश्न के जवाब में कहा कि हम भारत में और यहां ब्रिटेन में इन चिंताओं से अवगत हैं कि ये सुधार कृषक समुदाय को कैसे प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय अधिकारियों के लिए कृषि सुधार एक घरेलू नीति मुद्दा है।

26 जनवरी की हिंसा पर भी भारत के रूख को सराहा

26 जनवरी को किसानों के विरोध प्रदर्शनों के बारे में ब्रिटिश सरकार के आकलन के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि कानूनी रूप से इकट्ठा होने और एक दृष्टिकोण प्रदर्शित करने का अधिकार सभी लोकतंत्रों के लिए सामान्य है। यदि विरोध प्रदर्शन ने कानूनी सीमाओं की वैधता को पार किया तो सरकारें भी कानून और व्यवस्था लागू करने की शक्ति रखती हैं।

ब्रिटिश सरकार भारत से मैत्रीपूर्ण संबंधों के पक्ष में

पहले भी ब्रिटिश सरकार से किसान आंदोलन को लेकर सवाल किए जा चुके हैं। लेकिन, हर बार उन्होंने इसे भारत का अंदरूनी मामला बताते हुए खुद को अलग करने की कोशिश की थी।

माना जाता है कि ब्रिटिश सरकार का रूख भारत सरकार के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखने को लेकर ज्यादा है। भारत ने भी सम्मान दिखाते हुए इस बार गणतंत्र दिवस पर प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन को मुख्य अतिथि बनाया था। हालांकि, ब्रिटेन में कोरोना के बढ़ते मामलों के कारण उन्होंने अपना दौरा रद्द कर दिया था। किसान आंदोलन पर ब्रिटिश सांसदों ने लिखी थी चिट्ठी लेबर पार्टी के सांसद तनमनजीत सिंह धेसी के नेतृत्व में 36 ब्रिटिश सांसदों ने किसान आंदोलन के समर्थन में राष्ट्रमंडल सचिव डोमिनिक राब को चिट्ठी लिखी थी। इस चिट्ठी में सांसदों ने किसान कानून के विरोध में भारत पर दबाव बनाने की मांग की गई थी। सांसदों के गुट ने डोमिनिक रॉब से कहा है कि वे पंजाब के सिख किसानों के समर्थन विदेश और राष्ट्रमंडल कार्यालकों के जरिए भारत सरकार से बातचीत करें।

रूस: पैसे के बदले 1.5 लीटर वोदका पीने का चैलेंज, लाइवस्ट्रीम पर देखते रहे लोग, 60 साल के शख्स की मौत

मॉस्को, रूस में एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक 60 साल के शख्स की 1.5 लीटर वोदका पीते-पीते मौत हो गई। इस शख्स ने यह वोदका लाइवस्ट्रीम के दौरान पी थी और लोगों देखते ही देखते उनकी जान चली गई। स्थानिय मीडिया का दावा है कि 'ग्रैंडफादर' के नाम से मशहूर इस शख्स को एक यूट्यूबर ने ऐसा करने का चैलेंज दिया था और बदले में पैसों का ऑफर भी दिया था। मरते हुए देखते रहे लोग

यह घटना पश्चिमी रूस के स्मोलेंस्क की है जहां सुरक्षाबल घटना की जांच कर रहे हैं। यूरी दुशेचकिन को इस यूट्यूबर ने कथित तौर पर लाइव शराब पीना या हॉट सॉस खाने का चैलेंज दिया था। बताया गया है कि 1.5 लीटर वोदका पीते हुए उनकी मौत हो गई। रूस की न्यूज वेबसाइट रियाडोवका के हवाले से दि इंडिपेंडेंट ने बताया है कि यह पूरा वाकया लाइवस्ट्रीम हो रहा था और दशर्क यूरी को मरता हुआ देख रहे थे।

डोनाल्ड ट्रंप का व्यवहार 'अस्थिर', खुफिया जानकारी दीं तो फिसल सकती है जुबान: जो बाइडेन

वॉशिंगटन, अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उनके 'अस्थिर व्यवहार' के कारण गोपनीय खुफिया जानकारियां नहीं दी जानी चाहिये। अमेरिका में कार्यकाल पूरा करने वाले राष्ट्रपति को शिष्टाचार के तौर पर ऐसी जानकारियां देने का इतिहास रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपतियों को कार्यकाल खत्म होने के बाद भी अकसर खुफिया सूचनाएं और गोपनीय जानकारियां दी जाती हैं।

'फिसल सकती है जुबान'

बाइडेन ने 'सीबीएस' न्यूज को दिए साक्षात्कार में कहा, 'मैं कयास नहीं लगाना चाहता। मुझे बस यही लगता है कि उन्हें खुफिया जानकारियां दिए जाने की जरूरत नहीं है। उन्हें खुफिया जानकारियां देने का क्या महत्व है? वह क्या प्रभाव डाल सकते हैं? इसके बजाय तथ्य तो यह है कि कभी भी उनकी जुबान फिसल सकती है और वह कुछ भी कह सकते हैं।'

अस्थिर व्यवहार'

यह साक्षात्कार रविवार को प्रसारित किया जाना है। शुक्रवार को इसके कुछ अंश प्रसारित किये गए। बाइडेन ने कहा कि ट्रंप को उनके अस्थिर व्यवहार के कारण ऐसी जानकारियां नहीं दी जानी चाहिए। इससे पहले, इस सप्ताह की शुरुआत में वाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने कहा था कि ट्रंप को खुफिया जानकारियां देने के विषय में समीक्षा की जा रही है। डेमोक्रेटिक पार्टी के कुछ सांसदों और यहां तक कि तत्कालीन ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने भी उन्हें जानकारी देते रहने के बारे में सवाल उठाए थे।

आइवा और अमर सिनेप्रमोशन की जोरदार प्रस्तुति " एक शाम कोरोना वारियर के नाम

दिनांक ३० जनवरी २०२१, दलजीत कौर (आइवा) अमरसीने प्रोडक्शन के साथ मिलकर मुंबई में एक सुपर हिट कार्यक्रम 'एक शम कोरोना वारियर के नाम" का आयोजन किया। इस आयोजन का मकसद कोविड योद्धाओं को सम्मानित करना था, जिन्होंने अपने-अपने शहरों में महामारी के संकट के दौरान अपनी मानवता साबित की थी। २०२१ संकट का वर्ष था जिसे जीवन में कभी नहीं भुलाया जा सकता है। मानवता को देखा गया था, जहां लोग अपनी जान जोखिम में डालकर सड़कों पर निकले और एक-दूसरे की मदद की।

IAWA, INNOVATIVE ARTISTS WELFARE ASSOCIATION भारत में पंजीकृत एक Ngo है। इसके पीछे मकसद कलाकार बिरादरी को आर्थिक, और भावनात्मक रूप से मदद करना है क्योंकि भारत में कलाकार की स्थिति इतनी अच्छी नहीं है। इसके बावजूद वे एसिड अटैक पीड़ितों के लिए काम करते हैं। , वृद्धाश्रम और अनाथालय के बच्चे, घरेलू हिंसा बाल शिक्षा के लिए कार्यशील रहते है।

संस्थापक अध्यक्ष डॉ। दलजीत कौर एक कलाकार और एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

अमारिसिने प्रोडक्शन के सीईओ अमरजीत सिंह ने इस कार्यक्रम का प्रबंधन किया, और उनके पास विभिन्न शहरों में भारत के अधिकतम कोरोना योद्धाओं को शामिल करने की योजना है, जो एक यादगार मोमेंटो के साथ सम्मानित कर रहे हैं, जिसमें प्रमुख नेता शामिल हैं, जिन्होंने महामारी में कड़ी मेहनत की थी। मुंबई के श्रीमति किशोरी पेडणेकर जी और डॉ आचार्य विनोद कुमार जी, शाम के अतिथि थे, महान कथाकार एड गुरु श्री प्रह्लाद कक्कड़ जी, अन्य अतिथि सम्मान के साथ अरविंदर सिंह, विप, सावंत कुमार टाक। यह एक खूबसूरत सांस्कृतिक शो था जिसे सेलिब्रिटी कोरियोग्राफर साइबा सैय्यद ने अपनी टीम के साथ सैबा डांस किया रात में साक्षी होल्कर, सुल्तान सुलेमानी, बीरबल और भारत के महान कॉमेडियन वी आई पी, ईश्वर जौहर ने ऑडियंस का मनोरंजन किया।

पुरस्कार पाने वाले विभिन्न श्रेणियों के पुलिस अधिकारी, नर्स, डॉक्टर, सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार और सम्मानित राजनेता थे।

यशस्वी पुरस्कार " - बैंकिंग, वित्त और बीमा क्षेत्र के वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए भारत का पहला राष्ट्रीय पुरस्कार

बैंकिंग, वित्त और बीमा के वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए "यशस्वी पुरस्कार हाल ही में आयोजित किया गया था, जो कि सुवर्णा अरुण गोविल द्वारा संचालित और "गार्गी महिला फाउंडेशन" द्वारा संचालित था। इस कार्यक्रम का उद्घाटन बॉलीवुड अभिनेत्री और अंतर्राष्ट्रीय सेलिब्रिटी एंकर मिस सिमरन आहूजा ने किया। अन्य वीआईपी मेहमान जिन्होंने इवेंट में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, सेलिब्रिटी कोरियोग्राफर मि। जय कुमार नायर, मिस रहमत सैय्यद, मिस पल्लवी भूषण भोईर थीं। बॉलीवुड के कई अभिनेताओं, जैसे सुरेंद्र पाल, पेंटेल, सुनील पाल, दलजीत कौर और अन्य ने सुवर्णा अरुण गोविल को अपनी शुभकामनाएं दीं, क्योंकि वे इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाए थे। यशसवी पुरस्कार स्वयं-नामांकन के आधार पर वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए अपने प्रकार के पुरस्कारों में से 1 हैं।

पुरस्कार के पीछे का विचार एक बैंकर के समग्र व्यक्तित्व पर ध्यान केंद्रित करना था और न केवल उसकी व्यावसायिक उपलब्धि पर। 1 सीज़न में ही, बैंकिंग प्रोफेशनल्स को गौरी जोशी, ज्योतिभोसले, विशाल भास्करन, रूपाली शेठ, विहंग नागवेकर, उदय शेट्टी, दीपक गुप्ता, नागिन शेट्टी और स्वेता सिंह ने 102 पुरस्कार दिए। पुरस्कार-समारोह के दूसरे खंड में वन्यजीव फोटोग्राफर श्री शरद चौहान, सामाजिक कार्यकर्ता श्री प्रकाश गिदवानी और बच्चे थे। Mst Kkunal S.Govil, Mst Palash Patankar, Mst Ishan Satra, Ms Avantika Kambi, Ms Vanshika Gupt और Devi Guha को इतनी कम उम्र में विभिन्न क्षेत्रों में उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।

बड़ा भी, महंगा भी!... मलाइका का मलाल

डांसर और रियल्टी शो जज मलाइका अरोड़ा अपनी फिटनेस, फैशन और फीगर की वजह से वे कई लोगों की रोल मॉडल हैं। अब मलाइका ने अपनी एक फोटो शेयर की है जिसमें वे ओवरसाइज्ड शर्ट पहनी देखी जा सकती हैं जो कि महंगी भी है। मलाइका इस व्हाइट शर्ट पहनी नजर आ रही हैं जिसपर लेखक-

कवि चार्ल्स बुकोस्की की पोट्रेट बनी हुई है। इसी के साथ उन्होंने व्हाइट बूट्स पहने हैं। अपने कपड़ों के साथ मलाइका ने ब्राइट ऑरेन्ज गुक्की बैग कैरी किया है। मलाइका के इस शर्ट के कीमत ब्रैंड के मुताबिक ६५०० रुपये है। मलाइका ने यह फोटो शेयर करते हुए लिखा- 'दाएं देखो, बाएं देखो, सीधे देखो...बस रोशनी को कैच करो।' दरअसल, मलाइका की इस फोटो को उनकी बहन अमृता अरोड़ा ने लिया है। उन्हीं की तारीफ करते हुए और फोटो क्रेडिट देते हुए मलाइका ने ये कैप्शन में मेंशन किया है।

तुस्सी कमाल करती हो!...नोरा के सामने नतमस्तक

मुंबई, जब एक डांसर दूसरे डांसर की बड़ाई करता है तो वाकई उस परफॉर्मेंस में जरूर कोई बात रही होगी, ऐसा ही वाकया पिछले दिनों देखने को मिला। बता दें कि नोरा फतेही जहां भी जाती हैं, अपने बेहतरीन डांस से सबकी बोलती बंद कर देती हैं। उनके डांस का आलम ये है कि जो भी उन्हें डांस करते देख ले वो उनकी अदाओं का कायल हुए बिना रह नहीं सकता। एक शो में नोरा कुछ समय के लिए सेलिब्रिटी जज बनकर पहुंची थीं। यूं तो नोरा का काम यहां शो में कंटेस्टेंट के डांस को जज करने का था लेकिन कई मौके ऐसे आए जब नोरा ने उनके साथ भी अपने गानों पर जमकर डांस का जलवा दिखाया। इस वीडियो में नोरा एक कंटेस्टेंट के साथ मिलकर अपने सुपरहिट गाने दिलबर-दिलबर पर थिरकती नज़र आईं। उन्होंने इतने अलग अंदाज में बैले डांस किया और इतने बेहतरीन डांस मूव्स किए कि गीता कपूर, मलाइका अरोड़ा और टेरेंस लुईस देखते ही रह गए। खासकर मलाइका की नोरा के डांसिंग मूव्स देखकर बोलती बंद हो गई। नोरा का जल्द ही एक नया गाना 'छोड़ देंगे' रिलीज होने वाला है जिसकी पहली झलक ही काफी हिट हो चुकी है।

वैलेंटाइन डे के लिए गीतकार फाएज़ अनवर ने रोमांटिक अल्बम 'मुस्कुराना तेरा' रिलीज़ किया

फेम स्टूडियो का म्यूजिक अल्बम 'मुस्कुराना तेरा' रिलीज

मुंबई। सुप्रसिद्ध शायर व गीतकार फाएज़ अनवर ने वैलेंटाइन डे को देखते हुए ३ फरवरी २०२१ को अंधेरी (वेस्ट) में स्थित अपने ऑफिस में रोमांटिक अल्बम 'मुस्कुराना तेरा' को बड़े भव्य तरीके से प्रेस कांफ्रेंस के जरिये रिलीज़ किया। यह अल्बम को अपने नए डिज़िटल म्यूजिक चैनल 'फेम स्टूडियो' के जरिये रिलीज किया। जिसमें गीत फाएज़ अनवर का व संगीत फरज़ान फैज़ का है। जिसे गाया है रेहान खान व तनु श्रीवास्तवा ने इसके वीडिओ में रोज़ल खान और रवि भाटिया रोमांटिक अंदाज़ में नज़र आएंगे। फिल्म 'दिल है कि मानता नहीं','साजन', दबंग (तेरे मस्त मस्त दो नयन), जब वी मेट (आओगे जब तुम साजना), तुम बिन(कोई फरियाद तेरे दिल में), रावडी राठोड(चिकनी कमर) जैसे गीत फिल्म इंडस्ट्री को देनेवाले शायर व गीतकार फ़ाएज़ अनवर म्यूजिक अल्बम 'मुस्कुराना तेरा' के बारे में कहते है, ' फेम स्टूडियो यह एक नई पहल है। वैलेंटाइन डे के अवसर को देखते हुए युवा पीढ़ी के लिए युवा प्रतिभाओं द्वारा एक रोमांटिक अल्बम है। जिसे सभी वर्ग के लोग पसंद करेंगे। "

मेहनत का फल

मुंबई, अपने बेबाक बयानों को लेकर तापसी पन्नू अक्सर चर्चा में रहती हैं। पिछले दिनों तापसी ने खुलेआम आरोप लगाया था कि उनके हीरोज की फिल्में फ्लॉप होने के बाद उन पर दबाव डाला जाता था कि वह अपनी फीस कम कर लें। इस बीच तापसी पन्नू की फिल्म 'लूप लपेटा' का फर्स्ट लुक आउट हो गया है। एक्ट्रेस ने इसे अपने ट्विटर पर लिख, 'लाइफ में कभी कभार ऐसा टाइम आता है जब हमें खुद से यह करना पड़ता है 'मैं यहां तक आई कैसे?' मैं भी यही सोच रही थी। मैं शिट पॉट के बारे में नहीं, जिंदगी में हुई गड़बड़ के बारे में। हाय, मैं सावी हूं और इस क्रेजी राइड के लिए तैयार हूं।'

आमिर खान और माधुरी दीक्षित की 'दिल' का बनेगा रीमेक, इंद्र कुमार डायरेक्ट करेंगे फिल्म

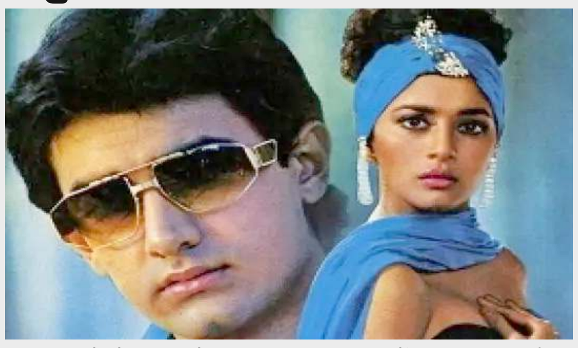

बॉलीवुड के फेमस डायेक्टर इंद्र कुमार इन दिनों 17वीं फिल्म थैंक गॉड की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में अजय देवगन, सिद्धार्थ मल्होत्रा और रकुल प्रीत लीड रोल में हैं। हालांकि, फिल्म में इन सितारों के किरदार कैसे होंगे, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है लेकिन अब खबर आ रही है कि इंद्र कुमार सुपरहिट फिल्म दिल के रीमेक को डायरेक्ट करेंगे। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक इंद्र कुमार ने भूषण कुमार के साथ तीन फिल्मों को लेकर डील साइन की है। ये फिल्में अगले तीन सालों में रिलीज होंगी। सोर्स ने बताया कि भूषण कुमार थैंक गॉड के बाद दो और फिल्में डायरेक्ट करेंगे। अगर सबकुछ ठीक रहा तो इंद्र कुमार, आमिर खान और माधुरी दीक्षित की दिल मूवी के रीमेक को निर्देशन करेंगे। दिल के स्क्रीनप्ले पर काम चल रहा है। इसकी कहानी को मॉर्डन बनाया जा रहा है।

किसानों ने पटियाला में रोकी बॉबी देओल की फिल्म लव हॉस्टल की शूटिंग

किसानों ने शनिवार को बॉबी देओल की फिल्म लव हॉस्टल की शूटिंग रोक दी है। पुलिस ने बताया कि इस फिल्म की शूटिंग पटियाला में चल रही थी, जिस पर कुछ किसानों ने पहुंचकर रोक लगा दी है। देशभर के किसान पिछले कुछ समय से कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। इससे पहले किसानों ने जाह्नवी कपूर की फिल्म गुड लक जेरी थ्राइस के शूट को रोक दिया था। जुलकन पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर हरमनप्रीत सिंह ने बताया कि पटियाला जिले के देवीगढ़ के पास मेहोन गांव में शूटिंग की तैयारी हो रही थी तभी वहां पर 150 से 200 किसान पहुंच गए और शूटिंग को रोक दिया।

जब जाह्नवी बनी लाल परी!

मुंबई, बहुत दिनों बाद जाह्नवी कपूर ने अपनी तस्वीरें शेयर की हैं। जाह्नवी ने इंस्टाग्राम पर दो फोटो पोस्ट कीं। पहली तस्वीर में वो लाल रंग का गाउन पहने हुए बैठी हैं। स्टाइलिस्ट उनके हेयर को ठीक कर रही हैं। इस तस्वीर में जाह्नवी कुछ खा रही हैं। दूसरी तस्वीर में जाह्नवी की टीम उन्हें गाउन पहना रही है, मगर एक्ट्रेस के एक्सप्रेशन से लगता है कि इसमें काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। जाह्नवी ने इन दोनों तस्वीरों के साथ लिखा- बिफोर एंड आफ्टर। जाह्नवी की इस फोटो पर कई मजेदार रिएक्शंस आ रहे हैं। जाह्नवी पंजाब में अपनी फिल्म `गुड लक जेरी' की शूटिंग कर रही थीं, मगर किसान आंदोलन के कारण शूटिंग बाधित होने के बाद वो मुंबई लौट गई हैं। इस फिल्म की शूटिंग तीसरी बार रोकी गयी है। जाह्नवी की इसके अलावा दोस्ताना फिल्म आने वाली है, जिसमें कार्तिक आर्यन उनके अपोजिट हैं।

सुशांत से पहले अंगद बेदी को ऑफर हुई थी 'काय पो छे'

बॉलिवुड ऐक्टर अंगद बेदी 6 फरवरी यानी शनिवार को अपना 38वां जन्मदिन मना रहे हैं। उनके जन्मदिन के मौके पर उनके फैंस से लेकर बी-टाउन सिलेब्स ने शुभकामनाएं दे रहे हैं। टैंलटेड ऐक्टर अंगद बेदी ने कई फिल्मों में काम किया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि फिल्म 'काय पो छे' में सुशांत सिंह राजपूत वाला रोल उन्हें ऑफर किया गया था?

फिल्म 'काय पो छे' सुशांत सिंह राजपूत से पहले अंगद बेदी को ऑफर हुई थी।

करण जौहर के शो कॉफी विद करण के अनुसार, फिल्म 'काय पो छे' सुशांत सिंह राजपूत से पहले अंगद बेदी को ऑफर हुई थी। उन्होंने उस समय थोड़ा समय मांगा था क्योंकि वह तय करना चाहते थे कि इस मल्टीस्टारर फिल्म में काम करना चाहिए कि नहीं और ये रोल उनके हाथ से निकल गया।

साल 2004 में फिल्म 'काया तरन' से डेब्यू करने वाले अंगद बेदी ने 'पिंक' 'फालतू', 'उंगली', 'टाइगर जिंदा है' जैसी फिल्मों में काम किया है। यह बात भी बहुत कम लोगों को पता है कि संजय लीला भंसाली ने फिल्म 'गोलियों की रासलीला रामलीला' के मेन रोल के लिए अंगद बेदी का भी स्क्रीन टेस्ट लिया था। उनका मानना है कि कामयाबी उनके हाथ आते-आते रह गई। अंगद बेदी भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान बिशन सिंह बेदी के बेटे हैं। पहले अंगद बेदी क्रिकेट ही खेलते थे। वे रणजी ट्रॉफी का हिस्सा रह चुके हैं और अंडर 19 क्रिकेट टीम का भी हिस्सा रह चुके हैं। उन्होंने साल 2018 में बॉलीवुड एक्ट्रेस नेहा धूपिया से शादी कर सभी को चौंका दिया था।

कोरोना की गाइडलाइंस के परिपालन के साथ मोरारी बापू द्वारा कथा गान

पूज्य मोरारी बापू की ८५५ वीं मानस कथा का आयोजन १३ फरवरी से २१ फरवरी तक रापर-कच्छ में 'व्रजवाणी' स्थान पर हुआ है । यह स्थान आहीर परिवारों की आस्था का धाम है, जो यदुवंश के वंशज कहलाते हैं। यहाँ राधाकृष्ण का मंदिर है। मंदिर की विशेषता यह है कि यहां जिन १४० सतीमाताओंने अपने प्राणों की आहुति दी, उनकी मूर्तियों को वर्तुलाकार में सजाई गई है। कृष्ण-भक्ति के प्रतीक समान यह स्थान- एक अर्थ में 'प्रेम- मंदिर' है। यहां भगवान कृष्ण और राधिकाजी की मूर्ति है। वैवाहिक जीवन से परे आत्मिक प्रेम - 'संबंधमुक्त संबंध'(Relation without relationship) का प्रेरणादायी प्रतीक 'व्रजवाणी धाम' है। कृष्ण-प्रेम में डूब कर, वृंदावन की गोपीओं की तरह रासलीला में देह भान - संसार भान - भूलकर आहिरानीयां मानों व्रजधाम में पहूँच गई। कृष्ण भावमें लीन आहिरानियों की नि:स्वार्थ भक्ति-भावका यह अद्भुत उदाहरण है। क्या अनोखी भक्ति रही होगी! कैसा तद्रूप गोपीभाव रहा होगा कि उनको लगातार कई घंटो तक इस प्रकार रास रचाने की शक्ति मिली! लेकिन जब अचानक ढोल बंद हुआ, रास की लय टूट गई और मानुनियों की एकतारता छूटी। कृष्ण के प्रेम में डूबें उनके स्त्रीत्व को अग्नि स्नान से जलाकर उन्होंने सतीत्व को प्राप्त किया! ढोल बजाने वाले को अपने वाद्य के साथ क्या आत्मानुसंधान होगा कि भले ही सिर काट दिया जाए, ढोल बजता रहना चाहिए! आखिरकार उसकी चेतना उसके गले में लटक रहे ढोल के साथ एकतार हो गई! आहीर समाज की कृष्ण-भक्ति ने इस उजाड़े खंडहर के स्थान पर 'प्रेम-मंदिर' का निर्माण किया और राधारानी को ठाकरधणी के साथ बीठाकर 'प्रेम मंदिर' के रूपमें प्रसिद्ध किया, जहां हर साल होम-हवन, पालिया-पूजन और महाप्रसाद का आयोजन किया जाता है। पूरा आहीर समाज भक्तिभाव से यहां आकर धर्मोत्सव एवं लोकोत्सवमें आनंदमग्न हो जाता है। कुछ भूमि ऐसी है, जिस पर बापू की सविशेष कृपा है- उनमें से एक कच्छ की भूमि है। यह बापू की कुल कथायात्रा की ८५५ वीं कथा है। कच्छ की भूमि पर यह उनकी २८ वीं कथा है। भारत में हुई कथाओं में, महुवा-तलागाजरडा के बाद, कच्छ को सबसे अधिक बार कथा का सद्नसीब प्राप्त किया है। कथा के मेजबान श्री प्रवीणभाई तन्ना तलागाजरडी व्यासपीठ के समर्पित - सुरभित सुमन हैं, जो विनम्रता से व्यासपीठ की इच्छाओं को आज्ञा समजकर उसका पालन करते हैं। कोरोना के समय में पूज्य बापू ने जो वर्च्युअल कथा - बिना किसी श्रोता - सुनाई, ईसमें तलागाजरडा-त्रिभुवन वट की संनिधिमें 'मानस गुरु-वंदना' का कथा गान हुआ, तब भी प्रवीणभाई को उस कथा का मेजबान बनने का सौभाग्य मिला। बाद में, प्रशासन की मंजुरी से सबसे पहले तुलसीश्याम में सूक्ष्म व्यासपीठ (मर्यादित श्रोताओं के साथ) से व्यापक बनती गई। बाद में, जब जूनागढ़ के गिरि शिखर पर कथा गाई गई, तब प्रवीणभाई ने एक बार फिर पूज्य बापू के समक्ष मेजबान बनने का अवसर देने की इच्छा व्यक्त की। अपनी अंतरात्मा की गतिविधि से प्रेरित होकर, बापू ने अस्तित्व की इच्छा समझकर व्रजवाणी में कथा गान का फैसला किया। इस तरह, श्री प्रवीणभाई को मेजबानी का अवसर तेरहवीं बार मिला। इस स्थान पर निवास व्यवस्था बहुत कम है। तो श्रोताओं को आस्था टीवी के साथ-साथ यूट्यूब पर १३ फरवरी शनिवार शाम ४ से ७ बजे तक और १४ से सुबह २१ तक सुबह ९ से १ बजे तक कथा-श्रवण का लाभ मिलेगा। कोरोना अभी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है, इसलिए सीमित दर्शकों के लिए ही व्यवस्था है। आयोजकों ने अनुरोध किया है कि यहाँ कोई विशेष आवास व्यवस्था नहीं है। साथ ही, सीमित संख्या में श्रोताओं को अनुमति मिलि है। इसलिए, घर पर सुनने का फायदा उठाना हर किसी के लिए उचित होगा।

मनोज जोशी(महुवा)
पत्रकार - मुंबई तरंग

किसान आंदोलन के बाद क्या राजनीति के मैदान में कूदेंगे?

केंद्र के तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली के तमाम बॉर्डरों पर चल रहे किसान आंदोलन को लेकर देश में लगातार बहस जारी है। 26 जनवरी को दिल्ली में हिंसा के बाद लगा था कि आंदोलन अब धीमा हो जाएगा लेकिन इसके बाद भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने इसे संभाला और अब वह आंदोलन का मुख्य चेहरा बन गए हैं। उन्होंने कह दिया है कि आंदोलन तभी खत्म होगा जब सरकार तीनों कानूनों को वापस ले लेती है। इस बीच राकेश टिकैत ने राजनीति में आने की संभावनाओं को लेकर पूछे गए सवाल का भी जवाब दिया है। राकेश टिकैत ने न्यूज चैनल आज तक के एक कार्यक्रम में चुनाव लड़ने के लगाए जा रहे कयासों को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, "मैं नेतागिरी नहीं करता, मैं किसान हूं। किसानों को नेतागिरी से नहीं एमएसपी पर कानून गारंटी से मतलब है बस।" उन्होंने इसमें जोड़ते हुए कहा, "आगे चुनाव लड़ने का कोई इरादा नहीं है। बस ट्रैक्टर चलाने का शौक है, बुवाई के दिनों में पूरे-पूरे दिन ट्रैक्टर चलाता हूं। पहली बार निर्दलीय चुनाव लड़ा था, दूसरी बार आरएलडी से चुनाव लड़ा लेकिन दोनों ही बार जमानत जब्त हो गई।"

आधे मार्च के बाद कभी भी आम जनता के लिए शुरू हो सकता है टीकाकरण, स्वास्थ्य मंत्री बोले- है पर्याप्त खुराक

भारत में आम जनता के लिए कोरोना वायरस की वैक्सीन आधे मार्च के बाद किसी भी समय उपलब्ध हो सकती है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने शुक्रवार को संसद में यह जानकारी दी। हर्षवर्धन ने संसद में बताया कि इस चरण में 50 साल से अधिक वायु वाले लोग शामिल होंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि 50 साल से अधिक आयु वर्ग वालों को कोरोना वायरस का ज्यादा खतरा रहता है।

बता दें कि भारत में कोरोना वायरस वैक्सीनेशन की शुरुआत इस साल 16 जनवरी को हुई थी। तब से लेकर फरवरी के पहले सप्ताह तक स्वास्थ्य कर्मी, पुलिस और फ्रंट लाइन वर्करों को वैक्सीन लगाई जा रही है। स्वास्थ्य मंत्री ने संसद में बताया कि वैक्सीनेशन के पहले चरण में सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों के लगभग एक करोड़ स्वास्थ्य कर्मियों के टीकाकरण का लक्ष्य रखा गया था, जो कि काफी तेजी से आगे भी बढ़ रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि दूसरी चरण में लगभग 2 करोड़ फ्रंटलाइन वर्करों का टीकाकरण किया जाना है, 2 फरवरी से देश के कई स्थानों में दूसरे चरण का वैक्सीनेशन शुरू भी हो गया है। उन्होंने कहा कि पहले और दूसरे चरण के पूरा होने के बाद तीसरा चरण शुरू होगा जिसमें 50 साल से अधिक के सभी लोगों को टीका लगाया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इसके लिए एक तारीख बताना संभव नहीं हो सकता है, लेकिन संभावना है कि मार्च के दूसरे, तीसरे या चौथे सप्ताह में वैक्सीनेशन कभी शुरू हो जाएगी।

मंत्री ने कहा कि आगे की वैक्सीनेशन के लिए सरकार के पास पर्याप्त खुराक है और यूनिवर्सल इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम के तहत मौजूदा कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं को मजबूत किया गया है और टीकों के भंडारण के लिए उपयोग किया जा रहा है। 1 फरवरी तक, सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को 2 करोड़ से अधिक वैक्सीन की खुराक प्रदान की गई है। अब तक 56 लाख से अधिक को लगा टीका केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि देश में अब तक 56 लाख से अधिक लोगों को कोविड-19 रोधी टीका लगाया जा चुका है और टीकाकरण के बाद गंभीर प्रतिकूल प्रभाव या मौत हो जाने का कोई मामला सामने नहीं आया है। मंत्रालय में अवर सचिव मनोहर अगनानी ने कहा कि अब तक कुल 5636868 लोगों को टीका लगाया गया है, जिनमें से 5266175 स्वास्थ्यकर्मी और 370693 अग्रिम मोर्चे के कर्मी हैं। दो फरवरी को अग्रिम मोर्चे के कर्मियों के लिए टीकाकरण शुरू किया गया था।

मुंबई में हुक्का पार्लर पर छापा, 42 लोगों पर केस

मुंबई, मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने उपनगरीय क्षेत्र अंधेरी स्थित एक होटल की छत पर चलाए जा रहे हुक्का पार्लर पर शुक्रवार देर रात छापेमारी की और 42 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया। एक अधिकारी ने बताया कि क्राइम इंटेलीजेंस यूनिट (सीआइयू) ने रात करीब 2.30 बजे जब छापेमारी की, उस वक्त 27 ग्राहक हुक्का पी रहे थे। वहां से तंबाकू मिश्रित विभिन्न उत्पाद और अन्य उपकरण जब्त किए गए। इस मामले में ग्राहकों, पार्लर कर्मियों और अन्य लोगों के खिलाफ आइपीसी, सिगरेट तथा अन्य तंबाकू उत्पाद कानून व आपदा प्रबंधन कानून की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किए गए हैं। मालूम हो कि मुंबई में कमला मिल्स अग्निकांड के बाद 2017 में हुक्का पार्लर पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। उस अग्निकांड में 14 लोगों की जान चली गई थी। एनसीबी ने ड्रग्स रैकेट का किया पर्दाफाश, दो गिरफ्तार मुंबई, एएनआइ : नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की मुंबई जोनल यूनिट ने शुक्रवार को एक ड्रग्स रैकेट का पर्दाफाश करते हुए एक कार्रवाई में कुर्ला रेलवे स्टेशन के निकट दो लोगों को गिरफ्तार किया। एजेंसी ने इन लोगों के पास से 20 किलो कोडेइन आधारित कफ सीरप, 56 ग्राम मेफेड्रोन और 450 ग्राम गांजा जब्त किए। एक अधिकारी ने बताया कि विशिष्ट सूचना के आधार पर कुर्ला रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार तड़के एक घर पर छापेमारी कर वहां से विभिन्न तरह के ड्रग्स बरामद किए गए। व्यावसायिक पंजीयन नंबर वाली एक कार को भी कब्जे में लिया गया है, जिसका इस्तेमाल ड्रग्स की ढुलाई में किए जाने का संदेह है। गिरफ्तार लोगों की पहचान हिस्ट्रीशीटर जाकिर हुसैन अब्दुल रहमान शेख उर्फ बबलू पात्री और उसके सहयोगी साहब अली मुहम्मद हनीफ मुल्ला के रूप में हुई है। बबलू पात्री एक कुख्यात ड्रग्स तस्कर है और एनसीबी ने 2010-11 में भी उसके खिलाफ दो केस दर्ज किए थे। वह बांद्रा, कुर्ला तथा दक्षिणी मुंबई में ड्रग्स वितरण का नेटवर्क चलाता है। आगे की जांच जारी है।

ठाकूर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर अंड प्लांनिगं मे 2020-2021 के सत्र के छात्रो का प्रेरणा- सत्र

आज ठाकूर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर अंड प्लांनिगं मे 2020-2021 के सत्र के छात्रो के लिये प्रेरणा -सत्र का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम मे छात्र और उनके परिजानो ने बढ चढ कर एवंम हर्षो उल्हास के साथ हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्देश सभी छात्रो ओर परिजनो को वास्तूकला के पाठ्य क्रम के विषय मे सभी जानकारी दे कर अवगत कराया गया. इस कार्यक्र के फलस्वरूप सभी जिजासू जानकारी से अनुग्रहित हुये। पाठ्यक्रम के बारे मे जानकारी प्राध्यापक श्री. धीरज सल्होत्रा, उप् प्राध्यापक श्रीमती पूर्वी कक्कड एवम वरिष्ठ प्राध्यापाको ने दी। प्रागण मे उपस्थित सभी सदस्यो ने ठाकूर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर अंड प्लांनिंग कि प्रशंसा कि एवंम आपना विश्वास ठाकूर एजूकेशन ट्रस्ट के चेअरमन माननीय श्री. वी. के सिंग जी ओर उनकी दुरदर्शिता कि। कांदिवली क्षेत्र मे ठाकूर एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा अप्रतिम प्रांगण एवंम सर्व सुस्साजित आधुनिक व्यवस्था से ओतप्रोत शिक्षा प्रणाली का सर्वोत्कृष्ट केंद्र है। सारे सत्र का कार्यक्रम सारे SOP के अनुसार सफलता के पूर्वक संपन्न हुआ।

कृषि कानून: सचिन तेंदुलकर के ट्वीट पर पवार बोले- दूसरे विषयों पर बोलने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए

राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को कहा कि मशहूर क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर को किसानों के बारे में बोलने के दौरान काफी सावधानी बरती चाहिए। अमेरिकी गायिका रिहाना और पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग सहित कुछ विदेशी शख्सियतों के प्रदर्शनकारी किसानों के समर्थन में ट्वीट के बाद तेंदुलकर और प्रख्यात गायिका लता मंगेशकर सहित विभिन्न हस्तियों ने सोशल मीडिया पर इंडिया टुगैदर और इंडिया अगेन्स्ड प्रोपेगैंडा हैश टैग से सरकार के रुख के समर्थन में ट्वीट किए थे।

तेंदुलकर और मंगेशकर जैसी हस्तियों की ओर से किसान आंदोलन के संबंध में प्रतिक्रिया दिए जाने के सवाल पर पवार ने कहा कि लोगों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा, मैं सचिन तेंदुलकर को सुझाव दूंगा कि उन्हें अन्य क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों पर बयान देने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए। पवार ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार किसानों को खालिस्तानी और आतंकवादी कहकर आंदोलन को बदनाम कर रही है। पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा, ये प्रदर्शनकारी किसान हैं जोकि हमारे देश का पेट भरते हैं। इसलिए, इन्हें खालिस्तानी या आतंकवादी कहना उचित नहीं है।

सरकार से फिर बातचीत को तो तैयार हुए किसान, कानून वापसी की शर्त बरकरार

प्रदर्शनकारी किसान संगठनों ने शनिवार को कहा कि वे सरकार के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं, लेकिन उसे नया प्रस्ताव लेकर आना चाहिए क्योंकि नए कृषि कानूनों को एक से ढेड़ साल तक के लिए निलंबित रखने का सरकार का मौजूदा प्रस्ताव उन्हें स्वीकार नहीं है। किसान यूनियनों ने हालांकि, स्पष्ट किया कि वे तीनों नए कृषि कानूनों को निरस्त किए जाने से कम कुछ भी स्वीकार नहीं करेंगे। यहां सिंघू बॉर्डर पर संवाददाता सम्मेलन में संयुक्त किसान मोर्चे के वरिष्ठ नेता दर्शनपाल ने कहा कि गेंद अब सरकार के पाले में है। उन्होंने कहा, हम बातचीत के लिए तैयार हैं। गेंद सरकार के पाले में है। हमने उन्हें स्पष्ट रूप से बताया कि पिछला प्रस्ताव (कानूनों को एक से डेढ़ साल तक निलंबित रखने) हमें स्वीकार्य नहीं है। अब उन्हें नए प्रस्ताव के साथ आना चाहिए। शनिवार के 'चक्का जाम के बारे में उन्होंने दावा किया कि इसे पूरे देश में समर्थन मिला जिससे एक बार फिर "साबित हो गया कि देशभर में किसान नए कृषि कानूनों के खिलाफ एकजुट हैं। वहीं, किसान नेता राकेश टिकैत ने ऐलान किया है कि दिल्ली की सीमाओं पर उनका (किसानों का) प्रदर्शन दो अक्टूबर तक जारी रहेगा और प्रदर्शनकारी किसान तभी घर लौटेंगे, जब केंद्र सरकार इन विवादास्पद कानूनों को रद्द कर देगी और "न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी देने वाला एक नया कानून बनाएगी। उन्होंने कहा, इस पर कोई समझौता नहीं होगा। साथ ही, उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यह आंदोलन पूरे देश के लिए है, ना कि एक राज्य के लिए है। शनिवार के प्रदर्शनों के दौरान देश के किसी भी हिस्से से कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। हालांकि, कई राज्यों में दर्जनों लोगों को हिरासत में ले लिया गया। दिल्ली में करीब 50 प्रदर्शनकारियों को शहीदी पार्क में हिरासत में लिया गया।

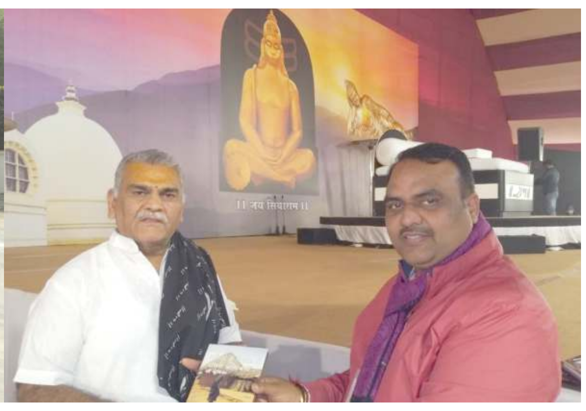

बीबीसी के हिन्दी संवाददाता श्री सौरव श्रीवास्तवने कुशीनगर में पूज्य बापू की कथा की पूर्णाहुति पर हमारे मुंबई तरंग के पत्रकार मनोज जोशी को और बापू की संगीत मंडली के हार्मोनिअम वादक श्री रमेश चंदाराणा को आपने लिखी पुस्तक -"दलितों के विकास में दलितों के अभिजनों की भूमिका" भेंट की। इस समय श्रीवास्तवजीने बताया कि- "भगवान शिव की असीम कृपा से 2008 में कैलाश मानसरोवर की यात्रा में संत शिरोमणि मुरारी बाबू जी के मुखारविंद से राम कथा सुनने का और उनसे मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। 2011 मै चित्रकूट धाम में जगतगुरु रामभद्राचार्य के सानिध्य में 3 माह रहने का अवसर प्राप्त हुआ था। गुरू जी लोगों को जो दिशा निर्देश दिया और मेरे मन के भाव को समझा और मुझे दलित समाज पर पढ़ने और लिखने के लिए प्रेरित किया उन्हीं लोगों के कृपा से मैंने दलितों के विकास में दलित अभिजनों की भूमिकापुस्तक लिख पाया आज जब मुरारी बापू की कथा भगवान भगवान बुद्ध की धरती कुशीनगर में चल रही थी तो बापू को मैंने जब यह बताया कि "आपकी कृपा से यह पुस्तक मैंने लिखी है, तो उन्होंने आज मंच से मेरी पुस्तक को सार्वजनिक रूप से लोगों तक पहुंचाया और ढेर सारा आशीर्वाद और प्यार दिया। मैं आज अपने जीवन का बहुत ही सौभाग्य पूर्ण दिन मानता हूं, जो इतने बड़े संत का आर्शीवाद और प्रेम मिला...!"

दिल्ली की एक अदालत ने हाफिज सईद के खिलाफ जारी किया गैर जमानती वारंट

दिल्ली की एक अदालत ने जम्मू-कश्मीर में आंतक वित्तपोषण से संबंधित धनशोधन मामले में शनिवार को पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के सरगना हाफिज सईद के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है। सईद मुंबई हमले का भी मुख्य साजिशकर्ता है। विशेष न्यायाधीश प्रवीण सिंह ने सईद के के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया।अदालत ने इसके साथ ही तीन सह अभियुक्तों कश्मीरी व्यवसायी जहूर अहमद शाह वताली, अलगाववादी अल्ताफ अहमद शाह उर्फ फंटूश और संयुक्त अरब अमीरात से ताल्लुक रखनेवाले व्यवसायी नवल किशोर कपूर को भी अदालत के समक्ष पेशी के लिए वारंट जारी किए जो वर्तमान में तिहाड़ जेल में हैं। इसने इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा धनशोधन के आरोपों में दाखिल किए गए आरोपपत्र का संज्ञान लेते हुए निर्देश जारी किए। न्यायाधीश ने वताली की कंपनी के प्रतिनिधियों को भी समन जारी किए जिनका बतौर आरोपी इस मामले में नाम आया है। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से पेश विशेष लोक अभियोजक नीतेश राणा ने अदालत को बताया कि आरोपियों ने जम्मू-कश्मीर में विध्वंसक एवं अलगाववादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए आपराधिक साजिश रची। राणा ने अदालत को बताया कि आरोपियों ने कार्यकर्ताओं का नेटवर्क स्थापित किया, जिसका वित्तपोषण हवाला के जरिए पाकिस्तानी एजेंसियों ने किया।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।